mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-196 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
16 जुलाई 2024 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

जिम्बाब्वे दौरे... @ पेज 7

वाराणसी- विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए काशीवासियों के अलग प्रवेश द्वार, आईडी कार्ड जरूरी

- काशीवासियों के लिए अलग द्वार से प्रवेश करने की सुविधा दी गई है
- सुबह चार से पांच बजे के बीच शिवलिंग का स्पर्श दर्शन
- शाम को चार से पांच बजे तक बाबा का झांकी दर्शन कर पाएंगे

वाराणसी (एजेंसी)। काशी विश्वनाथ में दर्शन के लिए काशीवासियों के लिए अलग प्रवेश द्वार खोलने की चर्चा कई दिनों से चल रही है। अब मंदिर प्रशासन की ओर से इसका सफल ट्रायल कर लिया गया है। आगामी कुछ दिनों में रोजाना प्रवेश की व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र और बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से काशीवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी

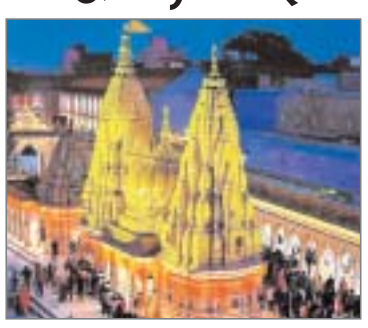

सामने आई है। दरअसल, काशीवासी विश्वनाथ मंदिर में प्रवेश के लिए अलग द्वार की मांग कर रहे थे। अब प्रशासन ने इसको लेकर सफल ट्रायल कर लिया है। कुछ दिनों में ही यह व्यवस्था रेगुलर कर दी जाएगी। 22 जुलाई से सावन की शुरुआत हो रही है, इसके कारण वाराणसी में कांवड़ियों की भारी संख्या दिखेगी। ऐसे में मंदिर परिसर में प्रवेश के लिए अलग द्वार मिलने से यहां के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

जेल में बंद रहेंगे केजरीवाल, नहीं मिली जमानत

हाईकोर्ट में 7 अगस्त को अगली सुनवाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति केस में जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। तब तक केजरीवाल तिहाड़ जेल में ही बंद रहेंगे। केजरीवाल के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत उन्हें अंतरिम जमानत दी गई है।

पूर्णिया-हटिया कोशी एक्सप्रेस से गन पॉइंट पर अधिकारी का अपहरण

पटना (एजेंसी)। बेगूसराय जिला के तेघरा थाना क्षेत्र के अम्बा निवासी रामानंद पाठक के पुत्र दीपक कुमार पाठक का सोमवार सुबह 9.15 बजे पूर्णिया-हटिया कोशी एक्सप्रेस ट्रेन से अपहरण कर लिया गया। दीपक, जो नव चयनित ग्रामीण विकास पदाधिकारी हैं, हाथीदह से ट्रेन में सवार हुए थे और गया जा रहे थे। उन्हें बाद में बख्तियारपुर में सकुशल बरामद किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नीटः सभी याचिकाएं हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर होंगी

- एनटीए की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

अगली सुनवाई 18 जुलाई को

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले पर आज सुनवाई हुई। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने देश के सभी हाईकोर्ट में एनटीए के खिलाफ दायर हुई याचिकाओं को ट्रांसफर करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है।दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दायर की थीं।

राजीव कुमार फिर बने बंगाल के पुलिस के महानिदेशक , लोकसभा चुनाव के दौरान ईसी ने दिया था हटाने आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। राजीव कुमार को फिर से बंगाल पुलिस के महानिदेशक नियुक्त किया गया है। लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय निर्वाचन आयोग उन्हें डीजीपी के पद से हटा दिया था।

कर्नाटक में महिलाओं को फ्री बस सेवा पड़ी सरकार को महंगी

- 300 करोड़ घाटे के बाद अब 20 प्रतिशत किराया बढ़ाने की तैयारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने वादा किया कि सत्ता में सरकार आई तो महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा शुरू करेंगे। कांग्रेस सरकार आई और सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने। सरकार बनते ही राज्य की बसों

में महिलाओं की यात्रा फ्री कर दी गई। हालांकि इसका बोझ राज्य सड़क परिवहन निगम पर पड़ रहा है और सरकार बसों का किराया बढ़ाने जा रही है। कर्नाटक सड़क परिवहन के अध्यक्ष एस आर श्रीनिवास ने कहा कि राज्य में सरकारी बसों के किराए में वृद्धि होनी चाहिए। श्रीनिवास ने कहा कि केएसआरटीसी ने राज्य सरकार को 15 से 20 प्रतिशत किराया बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है।

उद्धव ठाकरे के साथ हुआ विश्वासघात

- मातोश्री पहुंचे शंकराचार्य बोले- सीएम बनने पर दूर होगा दुख

मुंबई (एजेंसी)। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उद्धव ठाकरे को लेकर बड़ा बयान दिया है। मातोश्री का दौरा करने के बाद शंकराचार्य ने कहा कि हिंदू धर्म में विश्वासघात बड़ा पाप है। उद्धव ठाकरे के साथ यही हुआ है। वह विश्वासघात के भुक्तभोगी हैं। उन्होंने कहा कि वह राज्य के दोबारा सीएम बनेंगे तभी सब ठीक होगा।

बिहार, यूपी, महाराष्ट्र और असम में बारिश का तांडव

- असम में बाढ़ का कहर, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 93
- दिल्ली में झमाझम कोंकण में रेलवे ट्रेक पर गिरा मलबा, 7 ट्रेन प्रभावित
- उत्तर प्रदेश में बाढ़ से 10 लाख लोग हुए प्रभावित
- महाराष्ट्र के नासिक में फोर्ट पर फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू

उ.प्र.-बिहार में गंगा खतरे के निशान के करीब, मुंबई में गाड़ियां बहीं, 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली/लखनऊ/पटना/मुंबई (एजेंसी) देशभर में जारी भारी बारिश का दौर थमता नहीं दिख रहा है। कई राज्यों में अब भी बाढ़ के हालात बने हुए हैं। इससे कई लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिनों में कुछ क्षेत्रों में अत्यंत भारी तो, कुछ में भारी बारिश का अनुमान जताया है। बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और असम में लगातार बारिश हो रही है। इससे इन राज्यों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

महाराष्ट्र में तेज बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। नासिक के अंजनेरी फोर्ट में 10 से ज्यादा पर्यटक सीढ़ियों पर पानी के तेज बहाव में फंस गए। हालांकि, कुछ घंटों के बाद उन्हें वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया।

इसके अलावा रत्नागिरी और चंद्रपुर में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। इससे इन जिलों में सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। खेड में दीवानखावटी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मलबे के कारण रेल सेवा बाधित हुई है। कई ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर चार से पांच घंटे लेट हैं।

शाह ने की मुयमंत्रियों से बात

इधर, बाढ़ के हालातों को देखते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात, उत्तर प्रदेश और असम में मुख्यमंत्रियों से बात की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

- **असम में स्थिति गंभीर-** असम में बाढ़ के कारण हालत खराब है। बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित है, तो वहीं इससे अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया गया है। राज्य आपदा प्राधिकरण के अनुसार गोवालपाड़ा में नाव पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई। नगर्रा और खन्नौत नदियां इस वक्त उफान पर है।
- **उत्तर प्रदेश में बाढ़ से हाल बेहाल-** उत्तर प्रदेश में भी बाढ़ का कहर जारी है। बहगुल नदी उफान पर होने के कारण कई गांव जलमग्न हो गए। साथ ही कुछ लोगों की मौत की भी जानकारी सामने आई है। फर्रुखाबाद में रामगंगा और प्रयागराज, वाराणसी मिर्जापुर, कानपुर में गंगा नदी उफान पर हैं। राज्य में बाढ़ से 10 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।
- **बिहार में सैकड़ों गांव जलमग्न-** नेपाल में जारी बारिश और कोसी बराज को खोले जाने के बाद बिहार में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। राज्य में पिछले एक सप्ताह से जारी बारिश के कारण सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए।
- **उत्तराखंड में कई मार्ग क्षतिग्रस्त-** उत्तराखंड में लगातार बारिश हो रही है। इससे गोमुख मार्ग कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गया। लोगों के गंगोत्री पार्क प्रशासन ने लोगों के गोमुख जाने पर भी रोक लगा दी है।

मुस्लिम लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया,कहा-

तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता देना इस्लामी कानून के खिलाफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजाराभत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया है। एआईएमपीएलबी की वर्किंग कमेटी ने एक बैठक कर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर चर्चा की।

इस बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें कहा गया कि यह फैसला 'शरिया' (इस्लामी कानून) के खिलाफ है। लिहाजा एआईएमपीएलबी सभी संभावित उपायों का पता लगाएगा जिससे सुप्रीम कोर्ट से इस फैसले को पलटने को कह सके।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144) के तहत अपने पति से भरण-पोषण की हकदार है। इसके लिए वह याचिका दायर कर सकती है।

तलाक घिनौनी चीज, शादी बनाए रखने की हर कोशिश होनी चाहिए- पर्सनल लॉ बोर्ड ने अपने प्रस्ताव में कहा कि बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि पैगंबर ने कहा था कि जिन चीजों को करने की इजाजत दी गई है, उसमें से तलाक सबसे घृणित चीज है। लिहाजा शादी के रिश्ते को बनाए रखने के लिए सभी वैध उपाय किए जाने चाहिए। साथ ही इसके बारे में कुरान में जो दिशानिर्देश दिए गए हैं, उनका पालन करना चाहिए। हालांकि, अगर वैवाहिक जीवन बनाए रखना कठिन हो जाता है, तो तलाक को मानवीय समाधान के तौर पर देखा जा सकता है।

तलाकशुदा महिलाओं के लिए मुश्किल खड़ी करेगा यह फैसला- प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि बोर्ड को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उन महिलाओं के लिए और ज्यादा समस्याएं पैदा करेगा जो अपने दर्दनाक रिश्तों से सफलतापूर्वक बाहर आ चुकी हैं।

एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने बैठक के बाद बताया कि एआईएमपीएलबी ने अपने अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह रहमानी को इजाजत दी है कि वे सभी कानूनी, संवैधानिक और लोकतांत्रिक उपाय करके देखें जिससे सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को वापस लेने के लिए कहा जा सके।

म.प्र. धार भोजशाला

एएसआई ने म.प्र. हाईकोर्ट में सौंपी 2000 पेज की रिपोर्ट

दावा- 94 टूटी प्रतिमाएं मिलना मंदिर होने का सबूत

भोपाल/ इंदौर (एजेंसी)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार में स्थित भोजशाला की साइंटिफिक स्टडी कर 2,000 पेज की रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंप दी है। करीब तीन महीने चली इस स्टडी के दौरान हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने अपने-अपने दावे किए हैं। 22 जुलाई को हाईकोर्ट में अगली सुनवाई होगी। दावा किया जा रहा है कि यहां 94 से ज्यादा क्षतिग्रस्त मूर्तियां बरामद की गई हैं।

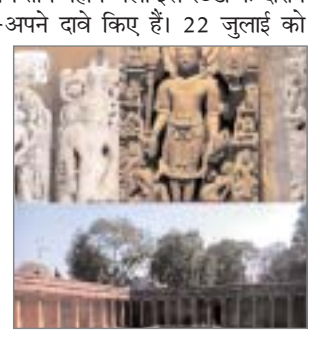

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार जिले में स्थित भोजशाला का सर्वे पूरा कर अपनी दो हजार पेज की रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच को सौंप दी है। अब 22 जुलाई को इस मसले पर सुनवाई होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 23 साल पहले लागू की गई व्यवस्था को क्या हाईकोर्ट इस रिपोर्ट के आधार पर बदल देगा? इधर हिंदू पक्ष के वकील की ओर से दावा किया गया कि सर्वे के दौरान कई ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जो साबित करता है कि यहां मंदिर था।

हिंदू पक्ष ने कहा-

हमारा पक्ष मजबूत, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के वकील एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस मामले में एएसआई रिपोर्ट महत्वपूर्ण है। एएसआई रिपोर्ट ने हमारे केस को मजबूत किया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच के सामने हमने कहा था कि यह परिसर एक हिंदू मंदिर का है। इसका इस्तेमाल मस्जिद की तरह हो रहा है। 2003 में एएसआई ने जो आदेश पारित किया था, वह पूरी तरह गलत है। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है। हमने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने एएसआई को साइंटिफिक स्टडी के निर्देश दिए थे। दो हजार पेज की रिपोर्ट में हमारा पक्ष मजबूत हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की कार्यवाही पर स्टे दे रखा है। इस वजह से हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं। वकील हरि शंकर जैन कहते हैं कि आज बहुत खुशी का मौका है। हिंदू जनता सदियों से धार में पूजा करने के लिए तरस रही थी, जिसके लिए आंदोलन चलाए गए थे और पहली याचिका जो हिंदुओं की तरफ से मैंने दाखिल की थी, उसमें महत्वपूर्ण सफलता मिली है। ये बात रिपोर्ट में साबित हो गई, प्रमाणित हो गई है, कोई इसे काट नहीं सकता कि वहां पहले हिंदू मंदिर था।

देश का पहला हाइड्रोजन क्रूज पहुंचा काशी

वाराणसी (एजेंसी)। ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाला देश का पहला क्रूज वाराणसी पहुंच गया है। कोलकाता के कोच्चि शिपयार्ड से जलमार्ग के जरिए शिप देर शाम नमो घाट पहुंचा। पर्यटन विभाग की निगरानी में रामनगर मल्टी-मॉडल टर्मिनल राल्हूपुर में खड़ा किया गया। यहीं पर शिप की सजावट और लाइटिंग का काम किया जाएगा।

यह डबल डेकर कैटामरान क्रूज जून के अंतिम सप्ताह में कोलकाता से चला था। रास्ते में कम पानी होने की वजह से उसे कई जगह रोकना पड़ा। इसके चलते जलयान को आधा सफर पूरा करने में ज्यादा समय लगा।

50 सीटर शिप वाराणसी से चुनार के बीच चलेगा- इस जलयान को पर्यटन विभाग वाराणसी से मिर्जापुर के चुनार के बीच करीब 15 किमी की दूरी में चलाएगा।

शहीद के पेरेंट्स-पत्नी को इंश्योरेंस फंड के 50-50 लाख मिले

आर्मी बोली- पेंशन पत्नी को मिलेगी, क्योंकि अंशुमान ने उन्हें नॉमिनी बनाया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। सियाचिन में सेना के टेंट में आग लगने से 19 जुलाई 2023 को शहीद हुए देवरिया के कैप्टन अंशुमान के परिवार को आर्मी ग्रुप इंश्योरेंस फंड से 1 करोड़ रुपए दिए गए। यह रकम अंशुमान के पेरेंट्स और उनकी पत्नी में आधी-आधी बांटी गई।

शहीद के माता-पिता ने कहा था- बेटे को मिले मरणोपरांत कीर्ति चक्र को बहू ने छूने भी नहीं दिया। बेटे के जाने के बाद बहू सम्मान लेकर चली गई। हमारे पास कुछ नहीं बचा। आर्मी को शहीद के परिवार को मिलने वाली वित्तीय सहायता के नियमों में बदलाव करना चाहिए।

इसे लेकर आर्मी के सूत्रों ने कहा है कि आर्मी की ओर से पेरेंट्स को 50 लाख और पत्नी को 50 लाख दिए जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शहीद की पेंशन उनकी पत्नी स्मृति को ही मिलेगी, क्योंकि अंशुमान ने उन्हें नॉमिनी बनाया था। इसके अलावा यूपी सरकार ने भी परिवार को 50 लाख रुपए दिए थे। इसमें से 15 लाख माता-पिता और 35 लाख रुपए पत्नी स्मृति को दिए गए थे। इसके बावजूद शहीद के पेरेंट्स ने कहा था कि वित्तीय सहायता के नियमों में बदलाव होना चाहिए।

बच्चों की पढ़ाई और पैसों का लालच देकर धर्मांतरण का प्रयास

तीन महिलाओं के खिलाफ केस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के आनंद नगर में बच्चों की अच्छी पढ़ाई और रुपये का लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने का मामला सामने आया है। यह तीनों महिलाओं पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर उनको हिरासत में ले लिया है।

पुलिस का कहना है कि रविवार को वे शिवनगर में लोगों ने आकर बताया कि वह घरों में जाकर उन्हें लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तित करने का प्रयश कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ता धनवीर सिंह ठाकुर उर्फ उमेश ठाकुर को भी मतांतरण का प्रलोभन दिया, जिसके बाद उन्होंने पिपलानी थाने में शिकायत की, शिकायत के आधार पर पुलिस ने धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण अधिनियम के साथ अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार धनवीर सिंह ठाकुर कोकता इलाके में रहते हैं। वह बजरंग दल के कार्यकर्ता हैं और आनंद नगर में पुलिस चौकी के पास ही उनकी दुकान है। रविवार की शाम को वे अपने दोस्तों से मिलने शिव नगर पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने देखा कि कुछ महिलाएं पर्चे बांट रही हैं साथ ही लोगों से बात करने की कोशिश भी कर रही हैं।

उन्होंने देखा कि वहां पर महिलाएं अपने धर्म प्रचार से संबंधित बात कर रही थीं। इसी दौरान एक महिला उनके पास आई तथा उसने धनवीर से धर्म के बारे में पूछा। धनवीर ने अपना धर्म बताया तो महिला ने एक पर्चा थमाते हुए कह दिया कि अगर आप हमारा धर्म अपना लेते हों तो हम आपको 20 लाख रुपये देंगे। साथ ही आपके बच्चों की पढ़ाई की खर्चा भी उठाया जाएगा।

महिला की यह बात सुनते ही धनवीर को समझ आया कि महिलाएं लोगों के धर्म परिवर्तन के लिए प्रचार कर रही हैं। उन्होंने पिपलानी पुलिस को मामले की शिकायत कर दी। रात करीब साढ़े आठ बजे एसआइ संतोष रघुवंशी स्टाफ को लेकर वहां पर पहुंच गए। पुलिस जब मौके पर पहुंची तब भी महिलाएं पर्चे बांट रही थीं।

नर्सिंग स्कैम, नीट पेपर लीक सहित अन्य परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में एनएसयूआई का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एनएसयूआइके कार्यकर्ता नीट पेपर लीक और नर्सिंग घोटाले के दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को सड़क पर उतरे। मुख्यमंत्री के आवास का घेराव करने जा रहे कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। एनएसयूआइने सोमवार को नीट पेपर लीक और नर्सिंग घोटाले को लेकर सड़क पर उतरने का ऐलान किया था। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के नेता भी उनके साथ थे।

कांग्रेस तथा एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स लगा रखे थे। प्रदर्शनकारी बैरिकेड्स को लांघकर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे तो पुलिस ने बल प्रयोग किया और वाटर कैनन भी छोड़ी। पुलिस की कार्रवाई से कार्यकर्ता तितर-बितर हो गए, लेकिन मुख्यमंत्री आवास की तरफ बढ़ने की जिद पर अड़े रहे। इन कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आगे नहीं बढ़ने दिया।

कांग्रेस नेता भी रहे प्रदर्शन में शामिल: इस विरोध प्रदर्शन में एनएसयूआइके कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह समेत अन्य शामिल हुए। जीतू पटवारी ने कहा कि एनएसयूआइने छात्रों के हितों को लेकर प्रदर्शन किया। मगर पुलिस ने आंसू गैस के गोले चलाए, लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन का भी प्रयोग किया।

कांग्रेस नेता भी रहे प्रदर्शन में शामिल: इस विरोध प्रदर्शन में एनएसयूआइके कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह समेत अन्य शामिल हुए। जीतू पटवारी ने कहा कि एनएसयूआइने छात्रों के हितों को लेकर प्रदर्शन किया। मगर पुलिस ने आंसू गैस के गोले चलाए, लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन का भी प्रयोग किया।

एमपी के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का नया फरमान, हर दिन पांच उपभोक्ता से बात करें सभी अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बिजली की समस्या को लेकर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बड़ा फरमान जारी किया है। मंत्री ने कहा है कि विद्युत वितरण कंपनियों के अधिकारी रोज 5-5 बिजली उपभोक्ताओं से बात करें। विद्युत व्यवस्था और उपभोक्ता संतुष्टि से संबंधित फीडबैक लें। इस आदेश के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मच गया है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में लोग बिजली की समस्या से परेशान हैं। रोज कहीं ना नहीं बिजली के तार टूटने और खराब होने की समस्या आती रहती है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अधिकारियों को आदेश दिया है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा है कि अधिकारी बिजली उपभोक्ताओं के साथ लगातार बात करें। किसी भी हालत में संवादहीनता नहीं होना चाहिए। विद्युत वितरण केंद्र, जोन, संभाग स्तर पर डेली बिजली उपभोक्ताओं से बात किया जाए।

प्रदेश में 1 करोड़ 75 लाख उपभोक्ता: उन्होंने कहा है कि वह स्वयं भी बिजली उपभोक्ताओं से बात करेंगे। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा, प्रबंध संचालक और मुख्य अभियंता भी प्रतिदिन कुछ उपभोक्ताओं से चर्चा कर उपभोक्ता संतुष्टि पर फीडबैक लेंगे। तोमर ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ 75 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। ये सभी तीन बिजली कंपनियों पूर्व, पश्चिम और मध्य क्षेत्र की कंपनियों से जुड़े हैं। बिजली का आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे ज्यादा असर घरेलू उपभोक्ताओं को होता है। इसलिए उपभोक्ताओं से लगातार संपर्क बनाना जरूरी है।

बता दें कि प्रद्युम्न सिंह तोमर अपने काम की वजह से हमेशा चर्चा में रहते हैं। कभी वे झाड़ू लेकर सड़कों पर उतर जाते हैं तो कभी वे खुद शौचलय साफ करने लगते हैं। पिछली सरकार में भी वे मंत्री थे। एक बार तो वे नाला की सफाई के लिए खुद नाले में उतर गए थे।

स्मार्ट पीडीएस से रुकेगा राशन घोटाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्य योजना के हितग्राहियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। इस योजना के प्रदेश में करीब 5 करोड़ से अधिक हितग्राहियों को निशुल्क खाद्यान्न दिया जा रहा है। अब सरकार इस योजना में बड़ा बदलाव करने जा रही है। अपात्र लोग इस योजना का लाभ न उठा पाएं, इसके लिए स्मार्ट पीडीएस राशन व्यवस्था लागू करने की तैयारी की जा रही है।

इसके तहत केंद्र सरकार के सॉफ्टवेयर में प्रदेश के उपभोक्ताओं का डाटा लिंक किया जाएगा। इसके बाद उन उपभोक्ताओं की जानकारी सामने आ जाएगी, जिनके नाम दो-दो जगह दर्ज हैं। यानी कि राज्य सरकार के सॉफ्टवेयर को केंद्र सरकार के दाता के साथ लिंक किया जाएगा। इसके साथ ही खाद्यान्न ले जाने वाले वाहनों की निगरानी के लिए भी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी तैयार किया जाएगा।

मप्र पर्यटन बोर्ड सिनेमा में निवेश के लिए लाया योजना

मिलेगी 75 लाख रुपए तक की सब्सिडी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मप्र पर्यटन बोर्ड द्वारा बनाई गई फिल्म पर्यटन नीति निवेशकों को सिनेमा में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हाल निर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के लिए फिल्म पर्यटन फिल्म नीति 2020 अंतर्गत निवेशकों को 75 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जा रहा है।

सिंगल स्क्रीन सिनेमा हाल की स्थापना के लिए 50 लाख रुपए, मौजूदा सिनेमाघर के उन्नयन के लिए 75 लाख रुपये और मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए 75 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है, लेकिन जानकारी के अभाव में अभी तक कम निवेशकों ने ही इसका लाभ उठाया है।

प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति विभाग) और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि प्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में स्थापित किया जा रहा है। साथ ही फिल्म से जुड़ी आधारभूत संचरचनाएं विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रति सिनेमा हाल अनुदान की अधिकतम सीमा 50 लाख रुपये है। दो वर्षों में बंद हो चुके सिनेमा हाल को फिर से शुरू करने के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 25 लाख पर 15 फीसदी राशि का अनुदान दिया जाएगा। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हाल 75 लाख रुपये है। इसके साथ ही मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय एक करोड़ रुपए पर 15 फीसद अनुदान दिया जा रहा है। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हाल 75 लाख रुपये है।

अनुदान के लिए करना होगा आवेदन: इच्छुक निवेशक और सिनेमा हाल मालिक अनुदान के लिए आधिकारिक पोर्टल 222.द्बद्वद्यद्व–द्यद्य.द्ब्रश्चठ्ठद्यद्बठ्ठ–.द्दश्1.द्बठ्ठ से आवेदन पत्र डाउनलोड करें। आवेदन पत्र में आवश्यक जानकारी और दस्तावेजों की सूची उल्लेखित है। आवेदन पत्र के साथ व्यापारिक योजना, वित्तीय विवरण और सम्पत्ति के स्वामित्व का प्रमाण के साथ आवश्यक दस्तावेज एमपी टूरिज्म बोर्ड के कार्यालय में जमा करना होगा।

एमपी में आने वाला है 75,000 करोड़ रुपए का निवेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की नई सरकार एक बार फिर से निवेशकों प्रोत्साहित करने में जुटी है। 13 जुलाई को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मुंबई में निवेशकों के साथ वन टू वन बात की थी। बातचीत के दौरान एमपी में निवेश के कई बड़े प्रस्ताव आए हैं। मुंबई से लौटने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में इसकी जानकारी दी है। होटल इंडस्ट्री से लेकर रक्षा क्षेत्र तक में निवेशकों ने निवेश की बात कही है। साथ ही स्थानीय स्तर पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार रीजनल इनवेस्टर कॉन्क्लेव कर रही है। उज्जैन के बाद जबलपुर में कॉनक्लेव है।

अनिल अंबानी ने सबसे बड़े निवेश का प्रस्ताव दिया: मुंबई में सीएम मोहन यादव ने कई उद्योगपतियों से मुलाकात की है। इस दौरान रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप के सीएम ने सिंगरौली और अन्य जिलों में 50,000 करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया है। साथ ही गोदरेज

कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने भिंड जिले के मालनपुर में 450 करोड़ रुपए निवेश का वादा किया है। इसके साथ ही ग्रेसिम इंडस्ट्रीज के एमडी एचके अग्रवाल ने नागदा और मैहर में 4000 करोड़ रुपए निवेश की बात कही है। जेएस डब्ल्यू लिमिटेड ने बैतूल, शहडोल और दमोह में 17,000 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया है। साथ ही योटा डेटा सर्विस ने इंदौर में 500 करोड़ और एल एंड टी ने इंदौर में 2000 करोड़ रुपए निवेश की बात कही है। इन निवेशों से मध्य प्रदेश में कुल एक लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। इसके साथ ही सीएम ने कहा कि अनिल अंबानी डिफेंस के क्षेत्र में भी यहां निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम जबलपुर में निवेश करना चाहते हैं।

टूरिज्म के क्षेत्र में भी आया निवेश: इसके साथ ही मध्य प्रदेश में टूरिज्म के क्षेत्र में भी कई निवेश आएंगे। देवास और बांधवगढ़ में महिंद्रा होलिडे 750 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। ओबेराय होटल ग्रुप भी 400 करोड़ रुपए लगाएगी। साथ ही वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के क्षेत्र में साज होटल ग्रुप निवेश करेगी।

जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव: इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई 2024 को जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव है। इसमें शामिल होने के लिए 1500 निवेशकों ने सहमति दी है। इस मीट में अंतरराष्ट्रीय निवेशक भी आएंगे। जबलपुर के अलावे के सितंबर में ग्वालियर और रीवा में अक्टूबर में इंडस्ट्री समिट का आयोजन किया जाएगा। सीएम ने कहा कि हम आईटी सेक्टर के निवेशकों को लुभाने के लिए कोयम्बटूर, बैंगलोर, दिल्ली और इंदौर में भी इंडस्ट्री समिट करेंगे। साथ ही रोड शो भी करेंगे।

भोपाल में होगा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट: वहीं, पहली बार इंदौर के तर्ज पर भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन भोपाल में किया जाएगा। इसका आयोजन 7-8 फरवरी 2025 को होगा। इसका थीम द फ्यूचर रेडी स्टेट रखा गया है। इसकी तैयारी विभाग ने शुरू कर दी है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि हम हर क्षेत्र में निवेश लाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, जमीन लेकर निवेश नहीं करने वालों पर सीएम ने कहा कि उसमें हमारा क्या जाता है। अगर वह नहीं लगाएंगे तो जमीन वापस ले लेंगे। रीजनल क्षेत्रों में इंडस्ट्री लगाने के लिए प्रस्ताव आ रहे हैं।

चौंथी मंजिल की बालकनी में बैठी वृद्धा की गिरने से मौत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कमला नगर इलाके में स्थित परिसर की चौथी मंजिल से गिरने से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। महिला अपनी बेटी के घर डॉक्टर को दिखाने के लिए आई थी, तभी फ्लैट की बालकनी से महिला अपनी नियंत्रण खौ बैठी और गिर गई।

पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 73 वर्षीय भूपेंद्र कौर खजूरी में रहती हैं। उनका बेटा कनाडा में रहता है, जबकि बेटी की शादी हो चुकी है, और वह सहयद्री परिसर में रहती है। कल सुबह महिला अपनी बेटी के घर पर आई थी, जहां से उन्हें डॉक्टर को दिखाना

था। इसी बीच चौथी मंजिल पर स्थित फ्लैट की बालकनी से वह नीचे गिर गई थी। हादसे में घायल महिला को उनकी बेटी अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि पहले महिला के परिजन पीएम कराने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन बाद में पुलिस की समझाइश के बाद वह पीएम कराने को राजी हुए।

पुलिस का कहना है कि अभी तक की जांच में मामला हादसा लग रहा है, लेकिन पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान: बिलखिरिया पुलिस ने बताया कि बलराम गुर्जर पुत्र गोरेलाल गुर्जर (50) ग्राम बावड़िया खुर्द में रहता था, और मेहनत मजदूरी करता था। कल दोपहर उसने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जाता है कि पारिवारिक विवाद के चलते उसने यह कदम उठाया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान दर्ज होने के बाद पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा। अभी पुलिस ने पीएम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। सुसाइड नोट भी पुलिस को नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस जांच करने की बात कह रही है।

एमपी पुलिस प्रदेश में अपराध को रोकने ला रही एआई, साबित होगा वरदान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश पुलिस राज्य में अपराध पर लगाम लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपकरणों का उपयोग करने वाली है। पिछले अपराध डेटा के निवारक डेटा विश्लेषण का उपयोग करने की योजना बना रही है। गृह विभाग ने राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो को पिछले एक साल के अपराध डेटा को इकट्ठा करने के लिए लिखा था। ब्यूरो द्वारा मैप का इस्तेमाल करने और रंग चिह्नित करने और फिर उस डेटा का विश्लेषण करने के लिए उपलब्ध एआई उपकरणों का उपयोग करने के लिए लिखा है।

राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के पास पूरा अपराध डेटा उपलब्ध है। सूत्रों ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके विश्लेषण किए जाने पर यह डेटा हॉटस्पॉट की पहचान करने में मदद करेगा। साथ ही संबंधित क्षेत्रों में अपराध के पैटर्न को समझने में मदद कर सकता है। जिसके उपयोग के बाद में पहचाने गए हॉटस्पॉट में संसाधनों को अनुकूलित करने के लिए काम किया जा सकता है।

सूत्रों ने कहा कि डेटा का विश्लेषण करने के बाद, आउटपुट जिला अधिकारियों को भेजा जाएगा। जिससे वे अपने जिलों में पहचाने गए हॉटस्पॉट के पैटर्न आदि के अनुसार निवारक उपाय कर सकें। ये उपाय गश्त बढ़ाना, स्पॉट पर सीसीटीवी कैमरे लगाना, पैटर्न के अनुसार वर्ष के विशिष्ट समय या अवधि में गश्त बढ़ाना हो सकते हैं।

डीईओ ने दर्जनो विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

प्राचार्यो को दिया कारण बताओ नोटिस, शिक्षको पर गिरी कार्रवाई की गाज

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासकीय विद्यालयों का मान सम्मान पुनः वापस लौटने एवं शिक्षा के क्षेत्र में बोर्ड परीक्षा के बेहरत परिणाम लाने की मंशा लिये कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.प्रेमलाल मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गयी है। विगत दिवस डीईओ एवं टीम के द्वारा दर्जनो शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया, जहॉ शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले गुरूजनो का उत्साह बर्धन किया गया वहीं कई लापरवाह गुरूजनों के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई प्रभावी की गयी है।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.पीएल मिश्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि कलेक्टर के निर्देशन में लापरवाह शासकीय विद्यालय प्रबंधन के ऊपर विधिक कार्रवाई की जा रही है। हमारे देश में शिक्षा सदैव दान का विषय रहा है किन्तु शासकीय विद्यालयों में कुछ गुरूजन अपने मूल दायित्व निर्वहन में लापरवाही कर रहे हैं।

जिनके कारण शिक्षा की दुकाने सीधी में सजती जा रही हैं। शासकीय विद्यालयों का खोया हुआ मान सम्मान पुनः वापस दिलाने की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं। इसी तारतम्य में शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में शिक्षा सत्र एक अप्रैल से प्रारंभ है। विद्यार्थियों की शिक्षा पोर्टल पर कक्षोन्नति अर्थात् नामांकन की कार्यवाही प्राचार्यों द्वारा नहीं करने के कारण व्यक्तिगत रूप से दूरभाष से संपर्क कर एवं बैठक लेकर प्राचार्यों को शत-प्रतिशत नामांकन, मैपिंग एवं कक्षोन्नति के निर्देश दिये गये थे। इसके बावजूद प्राचार्यों द्वारा कार्य में घोर लापरवाही की गई है और विभाग की छवि धूमिल हुई। डॉ. पी.एल.मिश्र जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राचार्यों के इस कृत्य और लापरवाही को म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3(1) एवं नियम 12 का उल्लंघन मानते हुये प्राचार्यों को दो दिवस के भीतर शत-प्रतिशत नामांकन कराने के निर्देश देते हुये कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है।

इन पर गिरी कार्रवाई की गाज - डॉ.पीएल मिश्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि विकासखण्ड सीधी में उत्कृष्ट विद्यालय सीधी, सेमरिया, क्रंमांक-02 सीधी, खाम्ह, चौफाल, पनवार, बम्हनी, सीधी खुर्द, हड़बड़ो, पिपरोहर, कमर्जी, धुम्मा एवं बरम्बाबा, विकासखण्ड सिहावल में बहरी, बालक पतुलखी, हटवाखास, सपही, अमिलिया, सुड़वार, बिठौली, कुचवाही, मॉडल स्कूल सिहावल, टीकर, अमरपुर, खुटेली एवं बघोर, विकासखण्ड रामपुर नैकिन में कंधवार, खड्डी, उत्कृष्ट रामपुर नैकिन, हनुमानगढ़, बागढ़, कन्या चुरहट, चकड़ौर, पोस्ता, बालक चुरहट, कन्या रामपुर नैकिन एवं मॉडल स्कूल रामपुर नैकिन तथा विकासखण्ड मझौली में ताला, टिकरी, मड़वास, खड़ौरा एवं नौढ़िया के प्राचार्यों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

डीईओ ने खेल खेल में बताया गणित के गुप्त रहस्य - गणित के जादूगर कहे जाने वाले डॉ.प्रेमलाल मिश्रा ने विद्यालयों के औचक निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों को गणित के गुण रहस्य को खेल खेल में समझाया जिसके बाद गणित के नाम से भागने वाले बच्चे भी बड़े ही सहज सरल ढंग से कठिन से कठिन सवाल को हल करते नजर आयें। डॉ.मिश्रा ने बताया कि यदि बच्चे सूत्र को समझ लें तो जीवन पर्यन्त उन्हे समस्या के हल के लिये परेशान या किसी पर आश्रित नही होना पड़ेगा।

नवविवाहिता को आत्महत्या के लिये विवश करने वाले दहेज लोभियों को मिली 10 वर्ष की सजा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा के निर्देशन तथा अभियोजन अधिकारियों के कड़ी मेहनत के फलस्वरूप दहेज की लालच में आकर आत्महत्या के लिए विवश करने वाले आरोपियों को 10 वर्ष के कारावास तथा जुर्माने से कराया गया दंडित।

मिली जानकारी के आधार पर रोहित सिंह चैहान ने थाना कोतवाली में इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी शादी वर्ष 2020 में आरती सिंह के साथ हुई थी। 5 मई 2021 को शाम करीबन समय 7 बजे वह बर्तन लेने अपने दूसरे घर गया था, जब बर्तन लेकर वापस आ रहा था तभी कुंआ के पास छटपटाहट की आवाज आने पर कुंआ में देखा तो उसकी पत्नी आरती सिंह फांसी लगाकर लटक रही थी और उसके पैर पानी के अंदर घुटना तक डूबे हुए थे जिससे उसकी मृत्यु हो गई। फरियादी की सूचना पर थाना कोतवाली में मर्ग कायम कर कार्यवाही प्रारंभ की गई, जिसमें पाया गया कि मृतिका की शादी जुलाई, 2020 में रोहित सिंह निवासी जनकपुर के साथ हुई थी। नव विवाहिता मर्ग होने के कारण उसकी विवेचना राजपत्रित अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सीधी गायत्री तिवारी द्वारा की गई जो जाँच में पाया गया कि शादी के बाद से ही मृतिका का पति, सास, ससुर एवं दादी सास दहेज में भैंस, बकरी एवं जेवरात की मांग को लेकर मृतिका के साथ गाली गलौच मारपीट कर उसे प्रताडित करते थे। पति रोहित सिंह, ससुर बीरेन्द्र सिंह, सास उर्मिला सिंह एवं दादी सास कुसुमकली सिंह लगातार दहेज की मांग को लेकर मृतिका को गाली देते थें एवं मारपीट कर प्रताडित करते रहे। जिससे तंग आकर मृतिका ने 5 मई 2021 को ससुराल के कुंआ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

अपर लोक अभियोजक श्रद्धा सिंह द्वारा दस्तावेजों एवं साक्ष्यों का सही समय पर एवं उचित ढंग से प्रस्तुतीकरण के परिणामस्वरूप प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के द्वारा अभियुक्त पति रोहित सिंह चौहान तनय वीरेन्द्र सिंह चौहान उम्र 25 वर्ष एवं सास उर्मिला सिंह पति वीरेन्द्र सिंह चौहान उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम जनकपुर थाना कोतवाली सीधी को धारा 304बी भादवि एवं धारा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत 10.10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 20.20 हजार रूपये के अर्थदण्ड की की सजा से दण्डित किया गया।

सीधी जिला शिक्षा अधिकारी ने की कार्रवाई

शिक्षा पोर्टल पर नामांकन और मैपिंग नहीं करने पर 44 प्राचार्यो को जारी किया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासकीय हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी विद्यालयों में शिक्षा सत्र एक अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। विद्यार्थियों की शिक्षा पोर्टल पर कक्षोन्नति अर्थात नामांकन की कार्यवाही प्राचार्यों ने अब तक नहीं की है। जिसके कारण जिला शिक्षा अधिकारी ने व्यक्तिगत रूप से दूरभाष से संपर्क कर और 12 जुलाई को क्रमांक-2 सीधी में बैठक लेकर प्राचार्यों को शत-प्रतिशत नामांकन, मैपिंग और कक्षोन्नति के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद प्राचार्यों ने कार्य में घोर लापरवाही की।

जिसके बाद डॉ. पीएल मिश्र जिला शिक्षा अधिकारी ने आज सोमवार को प्राचार्यों के इस कृत्य और लापरवाही को मप्र सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3(1) व नियम 12 का उल्लंघन मानते हुए प्राचार्यों को दो दिन का समय दिया है, जिसके भीतर शत-प्रतिशत नामांकन कराने के निर्देश देते हुए कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है।

इन स्कूलों के प्राचार्य को जारी किया गया नोटिसः विकासखण्ड सीधी में उत्कृष्ट विद्यालय सीधी, सेमरिया, क्रमांक-2 सीधी, खाम्ह, चौफाल, पनवार, बम्हनी, सीधी खुर्द, हड़बड़ो, पिपरोहर, कमर्जी, धुम्मा व बरम्बाबा।

विकासखण्ड सिहावल में बहरी, बालक पतुलखी, हटवाखास, सपही, अमिलिया, सुड़वार, बिठौली, कुचवाही, मॉडल स्कूल सिहावल, टीकर, अमरपुर, खुटेली व बघोर।

विकासखण्ड रामपुर नैकिन में कंधवार, खड्डी, उत्कृष्ट रामपुर नैकिन, हनुमानगढ़, बागढ़, कन्या चुरहट, चकड़ौर, पोस्ता, बालक चुरहट, कन्या रामपुर नैकिन व मॉडल स्कूल रामपुर नैकिन

विकासखण्ड मझौली में ताला, टिकरी, मड़वास, खड़ौरा व नौढिया के प्राचार्यों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

1 लाख की कफ सिरफ के साथ आरोपी को बहरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ.रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी बहरी निरी राकेश बैस के नेतृत्व में अवैध नशे के विरुद्ध कार्यवाही कर बहरी पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार।

बहरी थाना प्रभारी से मिली जानकारी के आधार पर विगत दिवस मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम पबड़ा का देवेन्द्र उर्फ भीम द्विवेदी, डुमडुम शुक्ला के घर के पूर्व तरफ झाड़ी में कोरेक्स बिक्री करने हेतु रखा है जो इस समय वही झाड़ियों में ग्राहको के इन्तजार में छिपा है। थाना प्रभारी बहरी द्वारा उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया जाकर उनके निर्देशन में एक टीम गठित कर मुखबिर के बताये स्थान पर रवाना किया गया, जो टीम ग्राम पखड़ा पहुंचकर मुखबिर के बताये स्थान पर रेड कार्यवाही की तो एक व्यक्ति एक सफेद रंग की बोरी लेकर झाडियो में छिपा मिला जिसको घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकडे व्यक्ति से उसका नाम पता पूछा गया जो अपना नाम देवेन्द्र उर्फभीम द्विवेदी पिता नागेन्द्र द्विवेदी उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम पबड़ा थाना बहरी का होना बताया। जिसके पास रखी सफेद रंग के बोरी को खोलवाकर देखा गया जिसमे आनरेक्स कफ सिरफ मिली जिसकी गिनती करायी गयी तो कुल 250 शीशी ओनरेक्स कफ शिरफ पाई गई। उक्त आरोपी देवेन्द्र उर्फभीम द्विवेदी से ओनरेक्स कफसीरफके रखने या बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग की गई जो कोई भी दस्तावेज नहीं होना बताया। आरोपी से बरामद शुदा कुल 250 शीशी ओनरेक्स कफ सिरफ कीमती लगभग 1,00,000 रुपये समक्ष गवाहों के जप्त की जाकर कब्जे पुलिस लिया जाकर आरोपी के विरूद्ध धारा 5/13 म.प्र. ड्रग कंट्रोल एक्ट 1949 एवं एनडीपीएस की धारा 8/21, 22 का अपराध कायम कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है।

उपरोक्त कार्यवाही में निरी राकेश बैस थाना प्रभारी बहरी, उप निरीक्षक रामसिया सोनवंशी, प्रआर. संतकुमार सिंह, रामसुन्दर साकेत, आरक्षक कमलेश प्रजापति, राज कमल भुर्तिया, अवधेश कुशवाहा, सचिन साहू एवं चालक दिग्विजय सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

कांबिंग गस्त के दौरान फरार चल रहे 46 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

15 गुण्डा बदमाश व 16 निगरानी बदमाश को दी हिदायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविंद्र वर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं समस्त अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन एवं समस्त थाना के थाना प्रभारियों के नेतृत्व में सीधी पुलिस ने हत्या लूट डकैती मारपीट आबकारी आदि जैसे विभिन्न अपराधों के प्रकरणों मे जो आरोपी न्यायालय के समक्ष उपास्थित नहीं हुए थें। उनके विरुद्ध न्यायालय द्वारा स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

उक्त फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्व में इनाम राशि की उद्घोषणा की गई थी। वहीं 13 एवं 14 जुलाई के दरम्यानी रात एक बार पुनः जिले भर में विशेष अभियान चलाकर 5 स्थाई वारंट एवं 41 गिरफ्तारी वारंट कुल 46 वारंट तमिल किए गए हैं। साथ ही 15 गुण्डा बदमाश एवं 16 निगरानी बदमाशों को कांबिंग गस्त के दौरान चेक कर हिदायत दी गई। साथ ही कांबिंग के दौरान अवैध शराब विक्रेताओं के उपर कार्यवाही करते हुये 18 प्रकरण में 100 लीटर शराब जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। एक बार पुनः कांबिंग गस्त में 46 वारंटियों को गिरफ्तार एवं अवैध शराब पर कार्यवाही कर सीधी पुलिस ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि सीधी में कानून का राज है और अपराधी चाहे जितना शातिर हो अगर वह जिले की कानून व्यवस्था के साथ छेड छाड़ करेगे वह सीधी पुलिस के शिकंजे से बच कर नही निकल पायेगे।

पोंडी पुलिस ने 10 किलोग्राम गांजा व मोटर सायकल किया जप्त, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा के कुशल निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी कुसमी उनि भूपेश बैंस के नेतृत्व में चौकी प्रभारी पोंडी सहायक उप निरीक्षक जयनारायण श्रीवास्तव व टीम द्वारा वारंटी तलाश के दौरान मुखबिर सूचना के आधार पर ग्राम पोंडी मंडोलिया जंगल पहुंच कर रेड कार्यवाही की गई तो एक व्यक्ति काली सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल में मिला जो अपने पास एक बैग रखा था। जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम संजय जायसवाल पिता हरिप्रसाद जायसवाल उम्र 28 वर्ष निवासी पड़खुरी थाना जमोड़ी का होना बताया तथा बैग की तलाशी ली गई तो बैग के अंदर अवैध मादक पदार्थ गांजा जैसा मिला जिसे तौल करने पर उसका वजन 10 किलोग्राम कीमती 1 लाख रुपए का पाया गया जिसके संबंध में आरोपी से वैद्य कागजात की माग की गई जो कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नही किया। आरोपी का उक्त कृत्य धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने से उपरोक्त अवैध मादक पदार्थ गांजा समक्ष गवाहों के जप्त कर कब्जे पुलिस लिया जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया एवं आरोपी को न्यायालय पेश किया गया जहा से जेल वारंट बनने पर जिला जेल सीधी दाखिल कराया गया। उपरोक्त समस्त कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक जय नारायण श्रीवास्तव चौकी प्रभारी पौड़ी, प्रधान आरक्षक अविनेश चौधरी, वीरेंद्र रावत, आरक्षक नितेश सिंह, नायक जगदीश शुक्ला का सराहनीय योगदान रहा।

सीधी में मिला नर चीतल का शव

मझौली वन क्षेत्र की घटना, मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के मझौली वन क्षेत्र की बाउंड्री के बाहर मोबाइल टावर के पास सोमवार सुबह एक नर चीतल का शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर वन अमला मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गया है।

बता दें कि जिले की मझौली और कुसमी वन क्षेत्र में लगातार जंगली जीवों के मौत की घटनाएं सामने आ रही है। सोमवार सुबह भी वन परिक्षेत्र मझौली कार्यालय कैंपस के बाहर मोबाइल टावर के पास टावर के पास एक चीतल का शव मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी वन विभाग को दी।

जानकारी मिलने पर वन अमला मौके पर पहुंचा और कार्रवाई में जुट गया है। वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या कुत्तों के शिकार करने से चीतल की मौत होने की संभावना हैं। जांच और पीएम के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

हिंदू जागरण मंच ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

मीडिया ऑडीटर सीधी निप्र। संसद में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अदा करने वाले राहुल गांधी द्वारा अपने भाषण के दौरान कहा गया कि जो हिंदू होते हैं वो 24 घंटे हिंसा करते हैं जो हिंदू होते है वो नफरत फैलाते हैं, जो हिंदू होते है वो झूठ बोलते है।

ऐसे शब्द कहकर उन्होंने पूरे हिंदू समाज को कटघरे में खड़ा कर दिया, पूरे हिंदू समाज को गाली देने का काम किया है। इसी विषय को लेकर हिंदू जागरण मंच जिला सीधी के तत्वाधान में गांधी चौक पर एक विरोध सभा का आयोजन कर राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया।

विरोध सभा को अपने वक्तव्यों से जिन्होंने उदभोदित किया उनमें प्रांत सहसंयोजक डॉक्टर वर्षा गौतम, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य उमा सिंह, संरक्षक पूनम तिवारी, भाजपा जिला मंत्री सुनीता रानी वर्माए, जिला संयोजक पुनीतमणि त्रिपाठी, विनोद सोनी सहित अन्य रहें। कार्यक्र म समापन पर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सुमित जायसवाल ने बोलते हुए कहा की जब हम इस विषय की बात करते है तो कांग्रेस पार्टी के लोग और कुछ मेरे कांग्रेसी मित्र इस बात को कहते हैं की राहुल गांधी ने भाजपा का हिंदू बोला, तो मैं उनसे इस कार्यक्र म के माध्यम से ये कहना चाहता हूं की पहले पूरा वीडियो देखिए फिर कमेंट कीजिए और दूसरी बात यह की ये सिर्फएक बार की घटना नहीं है की राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी के नेताओ ने ये बातें बोली हो उनका तो एजेंडा ही यही है सनातन की विरोध, हिंदुत्व का विरोध और मुशलमानो और इशाइयो के पक्ष की बात करना रहता है। उक्त जानकारी प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सुमित जायसवाल ने मुहैया कराई।

मंगल कार्य समिति के एजेंडे का पालन करें सुनिश्चित, सरकार की योजनाओं का करे बखान : सांसद

जिले के विभिन्न मंडलों की विस्तारित कार्य समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिला कार्य समिति के पश्चात विभिन्न मंडलों की बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा, बीजेपी मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री पूर्व विधायक शरदेन्दू तिवारी और सीधी विधायक रीती पाठक रही।

सेमरिया मंडल की विस्तारित बैठक को संबोधित करते हुए लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि मंडल की कार्य समिति के रखे गए विभिन्न विषयो का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। जिससे पार्टी का वोट प्रतिशत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुसार शत प्रतिशत की ओर हम बढ़े। अभी लोकसभा के संपन्न हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 29 सीटे जीतकर इतिहास रचा है। इसके लिए मैं सभी मतदाता बंधुओए माताओ एवं बहनों का हृदय से दोनों हाथ जोड़कर अभिनंदन के साथ.साथ आभार व्यापित करता हूं। और यह उम्मीद करता हूं कि जनता ने जो प्रचंड जनादेश दिया है हम उसे पर खरे उतरेंगे। सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने मंडल पदाधिकारी से आग्रह किया कि वह पन्ना समिति एवं बूथ समिति तक कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाएं और पार्टी की जीवंत गतिविधियों से उन्हें जोड़ें।

मध्य प्रदेश सरकार का प्रयासए उत्कृष्ट शिक्षा और सशक्त युवा- शरदेंदु तिवारीः चुरहट विधानसभा की विभिन्न मंडलों की विस्तारित बैठक को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व विधायक शरदेन्दू तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार युवाए किसानए गरीब एबेरोजगारए दलितए शोषित और वंचितों के लिए चरणबद्ध योजना की तरह से कार्य कर रही है। उत्कृष्ट शिक्षा के लिए अभी हमने पीएम श्री कॉलेजए पीएम श्री विद्यालय के साथ.साथ रोजगारों मुखी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। इसी प्रकार से स्वास्थ्य, रेल, बिजली, सड़क के लिए भी हमारी सरकार ने नई.नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। यह सभी जानकारी हमारे कार्यकर्ता जनता जनार्दन के बीच लेकर जाएं।

विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए तैयार करें रोड मैप- रीती पाठकः सीधी विधानसभा के विभिन्न मंडलों में सीधी विधायक रीती पाठक ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, वहां वहां गरीब कल्याण है। विधायक पाठक ने कहा कि हम सभी लोग एक साथ मिल बैठकर सीधी विधानसभा को विकसित विधानसभा बनाने के लिए एक व्यवस्थित रोड में तैयार करें और उसकी पूर्ति के लिए हम सब मिलकर प्रयास करेंगे। सीधी विधानसभा को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए हम क्या.क्या कर सकते हैंए इसके लिए हम अति शीघ्र ही अनौपचारिक रूप से मंडल पदाधिकारी के साथ बैठक करके एक रोड में तैयार करेंगे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अद्भुत परिवर्तन के साथ.साथ गरीबों के जीवन उत्पन्न स्तर उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रिक्त पीटीआई पद के विरूद्ध अतिथि हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्राचार्य शासकीय आदर्श उ.मा.वि. चुरहट ने जानकारी देकर बताया है कि अनुसूचित जनजाति शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर सर्रा चुरहट में रिक्त पीटीआई पद के विरूद्ध अतिथि पीटीआई रखे जाने है। अनुसूचित जनजाति शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर में संचालित विधा- व्हालीवाल, खो-खो एवं एथलेटिक्स में बी.पी.एडध्एम.पी.एडध्एनआईएस से डिग्री हासिल किये हों अथवा राष्ट्रीय स्तर पर खेले हुए उत्कृष्टता के आधार पर खिलाड़ियों के 25जूलाई तक आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगे। उक्त के संबंध में अधिक जानकारी के लिए 8770151642 पर संपर्क किया जा सकता है।

विचार

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि एवं मध्यवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान की जानी चाहिए

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुन: सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं। पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैंकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैंकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है।

केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है। पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंतत: देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले।

धर्मोन्मूलन पर न्यायालय की चिन्ता और सरकार की उदासीनता

मनोज ज्वाला

महात्मा गांधी भी धर्मांतरण का मुखर विरोध करते रहे थे एवं चर्च-मिशनरियों की गतिविधियों पर लगातार सवाल उठाते रहते थे और यहां तक कह चुके थे कि स्वतंत्र भारत में धर्मांतरणकारी संस्थाओं का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। 'क्रिश्चियन मिशन्स- देयर प्लेस इन इण्डिया' नामक पुस्तक के 'टॉक विथ मिशनरिज' अध्याय में महात्मा गांधी के हवाले से कहा गया है कि भारत में आम तौर पर ईसाइयत का अर्थ भारतीयों को राष्ट्रीयता से रहित बनाना तथा उनका युरोपीकरण करना है।

मनोज ज्वाला

खबर है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय अनुसूचित जातीय-जनजातीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को क्रिश्चियनिटी अथवा इस्लाम में तब्दील किए जाने के व्यापक रिलीजियस-मजहबी अभियान चिंता जताते हुए कहा है इसे यदि रोका नहीं गया तो देश की बहुसंख्यक आबादी शीघ्र ही अल्पसंख्यक हो जाएगी या मुसलमान और तब देश की राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड जाएगी; अतएव सरकार कठोर कानून बना कर इस अभियान पर तत्काल रोक लगावे। ऐसी ही चिंता पिछले वर्ष सर्वोच्च न्यायालय भी जता चुका है। हालांकि दोनों ही न्यायालयों ने इसे %ईसाईकरण% अथवा 'इस्लामीकरण' की संज्ञा देते हुए ऐसा कहा है, किन्तु मेरा मानना है कि यह धर्मांतरण कतई नहीं है, अपितु यह तो 'धर्मोन्मूलन' है; क्योंकि बहुसंख्यक समाज धर्मधारी है और क्रिश्चियनिटी एक रिलीजन है, तो इस्लाम भी एक मजहब है। इन दोनों में से 'धर्म' कोई नहीं है, तो जाहिर है कि धर्मधारी लोगों को रिलीजन या मजहब में तब्दील कर देना उनके धर्म का उन्मूलन ही है 'अंतरण' तो कतई नहीं; यह धर्मांतरण तो तब कहलाता, जब एक धर्म से दूसरे धर्म में अन्तरण होता, अर्थात, क्रिश्चियनिटी और इस्लाम भी कोई धर्म होता। बहरहाल, धर्मोन्मूलन को धर्मान्तरण ही मानते हुए उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने सरकार को जो निर्देश दिया है सो त्वरित क्रियान्वयन के योग्य है। धार्मिक स्वतंत्रता की आड में धर्मधारी प्रजा (बहुसंख्यक हिन्दू समाज) के ईसाईकरण अथवा इस्लामीकरण का छद्म अभियान चला रहे रिलीजियस-मजहबी संस्थाओं को परोक्षत: करारा जवाब देते हुए उच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि किसी धार्मिक व्यक्ति को धर्म से विमुख कर उसे रिलीजन या मजहब में तब्दील कर दिया जाए। बकौल न्यायालय, लोभ लालच प्रलोभन दे कर या भयभीत कर भोले-भाले (धार्मिक) लोगों का ईसाईकरण अथवा इस्लामीकरण किया जाना उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है। सर्वोच्च न्यायालय का तो यह भी मानना है कि इस प्रकार के अभियान से भारत राष्ट्र की एकता-अखण्डता व राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है; अतएव इसे रोका जाना अनिवार्य है। जाहिर है सर्वोच्च न्यायालय की यह चिन्ता व मान्यता भारत के 'राष्ट्रीय युवा'- स्वामी विवेकानन्द और महान स्वतंत्रता सेनानी महर्षि अरविन्द के चिन्तन-उद्बोधन पर आधारित है । मालूम हो कि स्वामी विवेकानन्द ने कह रखा है कि धर्मांतरण एक प्रकार से राष्ट्रान्तरण है। धर्म से विमुख हुआ व्यक्ति जब 'रिलीजन' व 'मजहब' को अपना लेता है, तब वह प्रकारान्तर से भारत के विरुद्ध हो जाता है; क्योंकि धर्म तो भारत की आत्मा है, जबकि 'रिलीजन' व 'मजहब' अभारतीय अवधारणा हैं। इसी तरह से महर्षि अरविन्द का कथन है कि धर्म (सनातन) ही भारत की राष्ट्रीयता है और धर्मांतरण से भारतीय राष्ट्रीयता क क्षरण अवश्यम्भावी है। भारत के इतिहास और भूगोल में यह तथ्य सत्य सिद्ध हो चुका है। भारत-विभाजन अर्थात पाकिस्तान-सृजन और खण्डित भारत के भीतर यत्र-तत्र रिलीजियस-मजहबी जनसंख्या के बढते आकार से उत्पन्न विभाजनकारी पृथकतावादी आन्दोलन इसके प्रमाण हैं। सर्वोच्च न्यायालय की उपरोक्त चिन्ता को इसी परिप्रेक्ष्य में समझा जा सकता है। इसी कारण से महात्मा गांधी भी धर्मांतरण का मुखर विरोध करते रहे थे एवं चर्च-मिशनरियों की गतिविधियों पर लगातार सवाल उठाते रहते थे और यहां तक कह चुके थे कि स्वतंत्र भारत में धर्मांतरणकारी संस्थाओं का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। 'क्रिश्चियन मिशन्स- देयर प्लेस इन इण्डिया' नामक पुस्तक के 'टॉक विथ मिशनरिज' अध्याय में महात्मा गांधी के हवाले से कहा गया है कि भारत में आम तौर पर ईसाइयत का अर्थ भारतीयों को राष्ट्रीयता से रहित बनाना तथा उनका युरोपीकरण करना है। आगे वे कहते हैं- भारत में ईसाइयत अराष्ट्रीयता एवं युरोपीकरण का पर्याय हो चुकी है। चर्च-मिशनरियां धर्मांतरण का जो काम करती रही हैं, उन कामों के लिए स्वतंत्र भारत में उन्हें कोई भी स्थान एवं अवसर नहीं दिया जाएगा; क्योंकि वे समस्त भरतवर्ष को नुकसान पहुंचा रही हैं। भारत में ऐसी किसी चीज का होना एक त्रासदी है। सन 1935 में चर्च-मिशन की एक प्रतिनिधि से हुई भेंटवार्ता में महात्मा साफ कहा था- अगर सत्ता मेरे हाथ में हो और मैं कानून बना सकूं तो मैं धर्मांतरण का यह सारा धंधा ही बन्द करा दूंगा।(सम्पूर्ण गांधी वांग्मय- खण्ड 61) बावजूद इसके आज देश भर में ऐसी रिलीजियस-मजहबी संस्थाओं का जाल बिछा हुआ है, जो शिक्षा-स्वास्थ्य-सेवा के विविध प्रकल्पों और सामाजिक न्याय व समता-स्वतंत्रता के विविध आकर्षक सब्जबागों एवं विकास-परियोजनाओं की ओट में देसी-विदेशी धन के सहारे छलपूर्वक धर्मांतरण का धंधा संचालित कर रही हैं। इन संस्थाओं की कारगुजारियों के कारण यहां कभी 'असहिष्णुता' का ग्राफ ऊपर की ओर उठ जाता है, तो कभी 'अल्पसंख्यकों की सुरक्षा' का ग्राफ नीचे की ओर गिरा हुआ बताया जाता है। ये संस्थायें भिन्न-भिन्न प्रकृति और प्रवृति की हैं। कुछ शैक्षणिक-अकादमिक हैं, जो शिक्षण-अध्ययन के नाम पर भारत के विभिन्न मुद्दों पर तरह-तरह का शोध-अनुसंधान करती रहती हैं; तो कुछ संस्थायें ऐसी हैं, जो इन कार्यों के लिए अनेकानेक संस्थायें खडी कर उन्हें साध्य व साधन मुहैय्या करती-कराती हुई विश्व-स्तर पर उनकी नेटवर्किंग भी करती हैं। %फ्रीडम हाउस% संयुक्त राज्य अमेरिका की एक ऐसी ही संस्था है, जो भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा के नाम पर उन्हें भडकाने के लिए विभिन्न भारतीय-अभारतीय संस्थानों का वित्त-पोषण और नीति-निर्धारण करती है। किन्तु वास्तव में धर्मोन्मूलन (अर्थात ईसाईकरण या इस्लामीकरण) और भारत-विभाजन ही इसका गुप्त एजेण्डा है, जिसके लिए यह संस्था भारत में कथित अल्पसंख्यकों के उत्पीडन की इक्की-दुक्की घटनाओं को भी बढा-चढा कर दुनिया भर में प्रचारित करती है। इसी तरह से 'दलित फ्रीडम नेटवर्क' (डीएफएन) नामक एक अमेरिकी संस्था का नियमित पाक्षिक प्रकाशन भी है- 'दलित वायस' जो भारत में पाकिस्तान की तर्ज पर एक पृथक 'दलितस्तान' राज्य की भी वकालत करता रहता है। इन दोनों संस्थाओं को अमेरिकी सरकार का ऐसा वरदहस्त प्राप्त है कि वे अमेरिका-स्थित विभिन्न सरकारी आयोगों के समक्ष भारत से रिलीजियस-मजहबी कार्यकर्ताओं को ले जा- ले जाकर भारत-सरकार के विरूद्ध गवाहियां दिलाता है।

ये संस्थायें भारत के बहुसंख्य समाज के विरूद्ध फर्जी अल्पसंख्यक-उत्पीडन और उसके निवारणार्थ भारत-विभाजन की वकालत-विषयक शैक्षिक शोध-परियोजनाओं के लिए शिक्षार्थियों व शिक्षाविदों को फेलोशिप व छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इसने कांचा इलाइया नामक उस तथाकथित दक्षिण भारतीय शोधार्थी को उसकी पुस्तक- 'ह्वाई आई एम नॉट ए हिन्दू' के लिए पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान किया है, जिसमें अनुसूचित जातियों-जनजातियों-ईसाइयों को सवर्ण हिन्दुओं के विरूद्ध सशस्त्र युद्ध के लिए भडकाया गया है ।

पीआईएफआरएएस (पॉलिसी इंस्टिच्युट फॉर रिलीजन एण्ड स्टेट) अर्थात 'पिफ्रास' अमेरिका की एक और ऐसी संस्था है, जिसका चेहरा तो समाज और राज्य के मानवतावादी लोकतान्त्रिक आधार के अनुकूल नीति-निर्धारण को प्रोत्साहित करने वाला है, किन्तु इसकी खोपडी में भारत की वैविध्यतापूर्ण एकता को खण्डित करने और हिन्दुओं के धर्मान्तरण (धर्मोन्मूलन) की योजनायें घूमती रहती हैं। इन धर्मान्तरणकारी मिशनरी संस्थाओं का एक वैश्विक गठबन्धन भी है, जिसका नाम- एफआईएकेओएनए (द फेडरेशन ऑफ इण्डियन अमेरिकन क्रिश्चियन ऑर्गनाइजेसंस ऑफ नार्थ अमेरिका) अर्थात 'फियाकोना' है। ये दोनो संगठन एक ओर 'इण्टरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम; नामक अमेरिकी कानून के सहारे विश्व-मंच पर भारत को 'मुस्लिम-ईसाई अल्पसंख्यकों का उत्पीडक देश' के रुप में घेरने की साजिशें रचते रहते हैं, तो दूसरी ओर भारत के भीतर नस्लीय भेद एवं सामाजिक फुट पैदा करने के लिए विभिन्न तरह के हथकण्डे अपनाते रहते हैं।

ऐसे में भारत की सम्प्रभुता व अखण्डता की सुरक्षा के लिए धर्मांतरण (धर्मोन्मूलन) पर रोक लगाने के बावत इलाहाबाद उच्च न्यायालय और इससे भी पहले सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सरकार को निर्देशित किये जाने के बावजूद सरकार की उदासीनता घोर चिन्ताजनक है। धर्मोन्मूलन (धर्मान्तरण) का सदैव ही विरोध करते रहने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार भी जब अल्पसंख्यक-कल्याण के नाम पर बहुसंख्यक समाज के यीसाईकरण व इस्लामीकरण को बढावा देने वाली पूर्व की कांग्रेसी सरकार द्वारा कायम किए गए अल्पसंख्यक आयोग एवं मुस्लिम वक्फ बोर्ड नामक संस्थाओं और उनकी विभिन्न योजनाओं यथा- 'मदरसाई शिक्षा', 'वजीफा' व ब्याज-मुक्त ऋण आदि पर प्रति वर्ष भारी-भरकम बजट का प्रावधान करती रही है, तब इस राष्ट्रीय त्रासदी से भारत राष्ट्र को आखिर कौन उबारेगा ? न्यायालय जब बहुसंख्यक समाज की घटती आबादी पर चिन्ता जताते हुए उसके ईसाईकरण व इस्लामीकरण को रोकने का निर्देश दे रहा है, तब केन्द्र सरकार को चाहिए कि वह इसके उपाय के तौर पर इन धर्मोन्मूलनकारी (धर्मान्तरणकारी) योजनाओं को बन्द करते हुए 'समान नागरिक संहिता' शीघ्र कायम करे और 'मजहबी आबादी नियंत्रण' का सख्त कानून भी कायम करे।

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप हो इस वर्ष का बजट

नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीति की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत चूंकि व्यक्तिवाद हावी रहता है अत: स्थानीय समाज में विभिन्न परिवारों के बीच आपसी रिश्ते केवल आर्थिक कारणों के चलते ही टिक पाते हैं अन्यथा शायद विभिन्न परिवार एक दूसरे से रिश्तों को आगे बढ़ाने में विश्वास ही नहीं रखते हैं। कई विकसित देशों में तो पति-पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। अमेरिका में तो यहां तक कहा जाता है कि 60 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं होती है एवं केवल माता को ही अपने बच्चे का लालन-पालन करना होता है, जिसके कारण बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं यह बच्चे अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज में हिंसा की दर बढ़ रही है तथा वहां की जेलों में कैदियों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन देशों के नागरिक अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं एवं उन्हें उम्मीद है कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का हल भारतीय सनातन संस्कृति में से ही निकलेगा। अत: इन देशों के नागरिक अब भारतीय सनातन संस्कृति की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत में वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कुछ हद तक वामपंथी नीतियों का अनुसरण करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया था। परंतु, वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों

ने बहुत फलदायी परिणाम नहीं दिए अत: बहुत लम्बे समय तक यह नीतियां आगे नहीं बढ़ सकीं। हालांकि बाद के खंडकाल में तो वैश्विक स्तर पर वामपंथी विचारधारा ही धराशायी हो गई एवं सोवियत रूस कई टुकड़ों में बंट गया। आज तो रूस एवं चीन सहित कई अन्य देश जो पूर्व में वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना रहे थे, ने भी पूंजीवादी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना लिया है। भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं पूरे विश्व के आर्थिक पटल पर भारत का डंका बजा करता था। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत के आसपास बनी रही है। उस समय पर भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित आर्थिक नीतियों का अनुपालन किया जाता था। मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण का बोझ, वित्तीय घाटा, बुजुर्गों को समाज पर बोझ समझना, बच्चों का हिंसक होना, सामाजिक तानाबाना छिनभिन्न होना आदि प्रकार की समस्याएं नहीं पाई जाती थीं। समाज में समस्त नागरिक आपस में भाईचारे का निर्वहन करते हुए खुशी खुशी अपना जीवन यापन करते थे। प्राचीन काल में भारत के बाजारों में विभिन्न वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके चलते मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं उत्पन्न ही नहीं होती थी। ग्रामीण इलाकों में कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे जहां खाद्य सामग्री एवं अन्य पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता रहती थी, कभी किसी उत्पाद की कमी नहीं रहती थी जिससे वस्तुओं के दाम भी नहीं बढ़ते थे। बल्कि, कई बार तो वस्तुओं की बाजार कीमत कम होती दिखाई देती थी क्योंकि इन वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति, मांग की तुलना में अधिक रहती थी। माननीय वित्तमंत्री महोदय को भी देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए बाजारों में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए न कि ब्याज दरों को बढ़ाकर बाजार में वस्तुओं की मांग को कम किए जाने का प्रयास किया जाए। विकसित देशों द्वारा अपनाई गई आधुनिक अर्थशास्त्र की यह नीति पूर्णत असफल होती दिखाई दे रही है और इतने लम्बे समय तक ब्याज दरों को ऊपरी स्तर पर रखने के बावजूद मुद्रा स्फीति की दर वांछनीय स्तर पर नहीं आ पा रही है। भारत को इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखानी चाहिए एवं आधुनिक अर्थशास्त्र के मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत को बाजार में वस्तुओं की मांग कम करने के स्थान पर वस्तुओं की आपूर्ति को बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए अर्थात आपूर्ति पक्ष पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

युवक को चाकू से गोदकर मार डाला

10 बदमाशों ने सिर, पेट और सीने में किए वार, 2 दिन पहले मारपीट की थी

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ (एजेंसी)

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ जिले में 10 से ज्यादा हमलावरों ने एक युवक को चाकू से वार कर मार डाला। युवक के सिर, सीने और पेट में कई वार किए गए हैं। वारदात के बाद मनेंद्रगढ़ में तनाव की स्थिति रही। पूरा मामला मनेंद्रगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मनेंद्रगढ़ के आमाखेरवा में बिजली ऑफिस के पास रविवार रात करीब 10.30 बजे मयूर जसूजा (19) अपने 5 साथियों के साथ बैठा था। इस बीच बदन सिंह मोहल्ले से 10 युवक हथियारों से लैस होकर मौके पर पहुंचे। 2 दिनों पहले मारपीट की घटना को लेकर दोनों में विवाद हो गया। फिर रवि यादव सहित अन्य युवकों ने मयूर जसूजा पर हमला कर दिया।

अस्पताल में हो गई घायल युवक की मौत: मयूर के अन्य दोस्तों पर भी हमले की कोशिश की गई, लेकिन वह भाग गए। रवि यादव और युवकों के हमले से मयूर खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। उसे मौके पर छोड़कर हमलावर भाग निकले। मयूर के दोस्तों ने करीब 11 बजे उसे गंभीर हालत में ष्टाष्ट मनेंद्रगढ़ में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना से तनाव, अस्पताल में पुलिस बल तैनात: घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में पुलिस रात को अस्पताल पहुंची थी। सूचना पर मयूर जसूजा के परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मयूर के चाचा के मुताबिक दो दिन पहले हुए विवाद की शिकायत करने के बाद पुलिस का देर रात कॉल आया, जिसमें कहा गया कि तुम्हारे भतीजे ने लड़ाई की है इसे 302 के तहत अंदर कर देंगे।

2 दिन पहले हुआ था विवाद: हमलावर युवकों और मयूर जसूजा के बीच 13 जुलाई की रात करीब 9.30 बजे विवाद हुआ था। रवि यादव ने कोतवाली मनेंद्रगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 जुलाई की रात वह करीब 10 बजे टहलते हुए खेड़िया टॉकिज के आगे हनुमान मंदिर के पास पहुंचा था। इस दौरान पियूष जसूजा ऊर्फ पिच्ची, शुभम तिवारी और अन्य 2 युवकों ने उससे गाली-गलौज और मारपीट की थी।

मृतक के परिजनों के अनुसार मयूर जसूजा ने भी थाने में शिकायत की थी, जिसकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। विवाद के मामले में पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिससे आरोपियों के हौसले बढ़ गए थे।

6 से अधिक युवक हिरासत में, अन्य फरार: युवक की हत्या के बाद मनेंद्रगढ़ पुलिस भी सक्रिय हो गई है। 6 युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। कुछ युवक फरार हो गए हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

एसटी, एससी एवं ओबीसी वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों से सिविल सेवा परीक्षा के तैयारी के लिए ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। राजीव युवा उत्थान योजना नियमावली वर्ष 2019 के भाग (अ) अंतगर्त राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के 50 सीट .135 सीट = 185 सीट (एसटी-50 प्रतिशत, एससी-30 प्रतिशत तथा ओबीसी- 20 प्रतिशत) (प्रत्येक वर्ग में 33 प्रतिशत महिलाओं के लिये आरक्षित) के लिए, ऐसे इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों से ऑलाईन आवेदन पत्र का आमंत्रण किया जा रहा है, जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी नई दिल्ली में करना चाहते है। ऑनलाईन आवेदन पत्र जमा करने की प्रारंभिक तिथि 15 जुलाई 2024, ऑनलाईन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 05 अगस्त 2024 रात्रि 12:00 बजे तक, ऑनलाईन आवदेन जमा करने हेतु वेबसाई का उपयोग कर सकते है। विज्ञापन से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट से अवलोकन एवं डाउनलोड किया जा सकता है। इस परीक्षा से संबंधित समस्त जानकारी यथा, पात्र अभ्यर्थी, परीक्षा केंद्र, परीक्षा परिणाम आदि की सूचना विभागीय वेबसाइट से अभ्यर्थी प्राप्त कर सकते है।

जिले में मुहर्रम के अवसर पर 17 जुलाई को शुष्क दिवस घोषित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेंकट ने छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उप धारा 1 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं वर्ष 2024-25 के लिए देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों हेतु आबकारी नीति के अंतर्गत व्यवस्थापन एवं अन्य बिन्दु के कण्डिका 16 की उप कण्डिका 16.1 के अनुसार 17 जुलाई 2024 दिन बुधवार को "मुहर्रम" के अवसर पर "शुष्क दिवस" रहेगा।

इस दिन जिले की समस्त देशी, विदेशी, कम्पोजिट मदिरा की फुटकर दुकानों, दुकानों से संलग्न अहातों तथा एफ.एल. 4 (क) अनुज्ञप्तिधारी व्यवसायिक क्लब पूर्णतः बंद रहेगी। कलेक्टर ने 17 जुलाई 2024 दिन बुधवार को घोषित शुष्क दिवस का पूर्णतः कड़ाई से पालन करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये है।

टेंट पाइप में फैला करंट, मासूम की मौत

शवलिंग स्थापना कार्यक्रम के दौरान हादसा, गांव में पसरा मातम

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में करंट की चपेट में आने से 7 साल की मासूम की मौत हो गई। बालोद थाना क्षेत्र के निपानी गांव में शिवलिंग स्थापना कार्यक्रम के दौरान यह हादसा हुआ। बारिश की वजह से टेंट के पाइप में करंट दौड़ रहा था।

बच्ची को आनन-फानन में अस्पताल लाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। बच्ची का नाम मोनिका बताया जा रहा है। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक गांव में सोमवार के दिन शिवलिंग स्थापना का कार्यक्रम चल रहा था।

टेंट के पाइप में दौड़ रहा था करंट: कार्यक्रम के दौरान बारिश हो रही थी। सुबह से ही पूरे क्षेत्र में बारिश हो रही है। आयोजन स्थल पर टेंट लगाया गया था। बारिश के कारण बिजली का करंट टेंट के पाइप में दौड़ रहा था, जिसे छूने से बच्ची हादसे का शिकार हो गई।

हादसे के वक्त सैंकड़ों लोग मौजूद थे: हादसे के समय मौसम खराब था। साथ ही मौके पर सैंकड़ों लोग मौजूद थे। 7 साल की मासूम बच्ची की मौत के बाद लोगों की आंख खुली। जिसके बाद पूरी व्यवस्था को सुधारा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक को कुल्हाड़ी से काट डाला

गाली देने पर पर किया ताबड़तोड़ वार, मर्डर के बाद परिजनों का हंगामा

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में आरोपी सौरभ साहू ने देवेन्द्र साहू को कुल्हाड़ी से काट डाला। बताया जा रहा है कि दोनों एक दूसरे पर पुरानी रंजिश को लेकर हमला कर रहे थे। इस वारदात में देवेन्द्र यावद की मौत हो गई। पूरा मामला धमधा थाना क्षेत्र के मुडपार गांव का है।

वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वहीं पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

कई बार कर चुके थे दोनों लड़ाई: मिली जानकारी के मुताबिक घटना रविवार शाम करीब 6:30 बजे के आसपास की है। धमधा ब्लॉक के ग्राम मुडपार में देवेंद्र साहू (33 साल) और आरोपी सौरभ साहू (29 साल) आपस में झगड़ा करने लगे। उनके बीच पुराना विवाद था और वह पहले भी कई बार झगड़ा कर चुके थे।

गाली देने पर देवेन्द्र को काट डाला सौरभ: प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि देवेन्द्र ने सौरभ को देखा तो पहले से उसे गाली देने लगा।

इससे सौरभ गुस्से में आ गया। उसने भी गाली गलौज की। झगड़ा इतना बढ़ गया कि सौरभ घर से कुल्हाड़ी लेकर आया और देवेन्द्र पर ताबड़तोड़ कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार: घटना के बाद मृतक देवेन्द्र साहू के परिवार वालों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्ष को समझाया। मृतक देवेंद्र के भाई तिलेश्वर की शिकायत पर धमधा पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला शाखा ने आज जिले के एनएचएम साथियों के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को जिला कलेक्टर के माध्यम से निम्नलिखित मांगों का ज्ञापन सौपा। जिसमें एनएचएम के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह पोर्ते, डॉ. अतीक सोनी, दीक्षा, मालती सिंह, र्सवणा, भास्कर निराला, जगदीश कुमार सिंह, शैल कुमार, बृजमोहन, भूपेंद्र प्रताप, उषा दीवान, वर्षा, मनीषा, अवनीश पाण्डेय, राजकुमार राजवाड़े, बलराज मिश्रा जनकपुर सहित समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित विधानसभा में 19 जुलाई 2023 को इस वेतन वृद्धि की घोषणा की गई थी, जिसके लिए वार्षिक बजट में 350 करोड़ रुपये आबंटित किए गए थे। अब तक 5 विभागों को इस वृद्धि का लाभ मिल चुका है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मचारियों को अभी तक यह लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। इस मुद्दे पर दिसंबर 2023 से अनेक बार सरकारी अधिकारियों को ज्ञापन और पत्र दिए गए हैं। इस अवस्था में, 18 सूत्रीय मांगों में शामिल हैं नियमितीकरण, वेतन स्केल का निर्धारण, वेतन वृद्धि, सेवा पुस्तिका का संशोधन, कार्य मूल्यांकन में सुधार, और अन्य मुद्दे शामिल हैं।

करंट लगने से महिला की मौत

टहनियां काटने जामुन के पेड़ पर चढ़ी थी, 33केव्ही बिजली तार की चपेट में आई

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में करंट की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। घटना नैला चौकी उप थाना क्षेत्र के सरखो गांव की है। महिला परमेश्वरी बिंझवार (32) 3 महिलाओं के साथ सड़क किनारे जामुन के पेड़ से टहनियां लेने गई थी। महिला जामुन के पेड़ में चढ़कर टहनियां काट रही थी। 33 केवी का तार पेड़ से होकर गुजरा हुआ था। टहनियां काटते समय महिला बिजली तार की चपेट में आ गई। महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

पोस्टमार्टम के लिए शव जिला अस्पताल भेजा गया: नीचे खड़ी महिलाओं ने आसपास के लोगों को बुलाया। नैला चौकी उप थाना में घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरा और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

पौधों की नार को ऊपर करने टहनियां लेने गई थी: जानकारी अनुसार सोमवर की सुबह परमेश्वरी बिंझवार घर की बाड़ी में लगे सब्जी के पौधों के नार को ऊपर करने के लिए टहनियां लेने गई थी। सड़क किनारे लगे जामुन के पेड़ की टहनियां काटते समय यह हादसा हो गया।

3 लुटेरों ने युवक को मारा चाकू

सड़क पर जमकर पीटा और मोबाइल छीना, आरोग्य अस्पताल के पास वारदात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक युवक के साथ चाकू मारकर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। लुटेरे जब युवक का जबरन मोबाइल लूट कर भाग रहे थे, तो युवक ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान एक लुटेरे ने उसके जांघ पर चाकू से हमला कर दिया। मामला शंकर नगर खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

खम्हारडीह पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, लोमेश कुमार शंकर नगर में ड्राइवरी का काम करता है। वह सोमवार सुबह 5 बजे के करीब किसी रिश्तेदार के घर से अपने घर जा रहा था, तभी शंकर नगर स्थित आरोग्य अस्पताल के पास बाइक सवार 3 लुटेरों ने उसे रोककर पीटा और मोबाइल छीनकर भाग गए।

पकड़ने की कोशिश में चाकू मारा: बताया जा रहा है कि यह तीन लुटेरे एक बाइक पर सवार होकर आए थे। जब वे भाग रहे थे, तो लोमेश ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तभी बाइक में पीछे बैठे एक लुटेरे ने उसके जांघ में चाकू मार कर उसे घायल कर दिया। फिर वे मौके से फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिलते ही घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अब संदिग्धों की तलाश में जुट गई है।

विधिक जन जागरूकता एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन जिला एम .सी .बी. छत्तीसगढ़ प्रदेश के तत्वाधान में चिरमिरी क्षेत्र के हल्दीबाड़ी स्थित होटल अलविना में विधिक जन जागरूकता एवं शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम का आयोजन संगठन के एम.सी.बी. जिले के कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अशोक वाडेकर जी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला एम.सी.बी. एवं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मलखान सिंह दोहरे जी लोकपाल मनरेगा तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश के मुखिया राकेश कुमार महौत जी के द्वारा किया गया कार्यक्रम में नए कानून के जानकारी के अलावा महिलाओं को विशेष रूप से उनके बच्चों पर ध्यान देने की बात मुख्य अतिथि महोदय ने अपने अभिभाषण में कही तथा बहुत से जानकारियां जो परिवार हित में आवश्यक है उनको उन्होंने बड़े ही सहजता के साथ बतलाया कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार गारंटी योजना के तहत या जो भी युवा मनरेगा के तहत काम करना चाहते हैं उसके बारे में विस्तार से जानकारी दिये कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राकेश कुमार महौत जी ने संविधान में दिए गए अधिकारों के बारे में तथा मोटर व्हीकल एक्ट एवं घरेलू हिंसा के विषय में लोगों को जानकारी दिए मंच का संचालन सुरेश चौहान के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगान के साथ किया गया तथा कार्यक्रम की समापन वंदे मातरम के साथ किया गया कार्यक्रम में नए सदस्यों को संगठन के मुखियद्य राकेश कुमार महौत जी के द्वारा शपथ ग्रहण? कराया गया तथा मंचासीन अतिथियों के द्वारा परिचय पत्र का वितरण किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में विनोद कुमार पांडे, विजय विश्वकर्मा, देवदास, डाक्टर निरापद विश्वास, बृज बिहारी पंडित, चंद्रशेखर नाहक, राजू नाहक का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम में जय राम सिंह, मुस्ताक खान, सतिराम, गौरी हाथगेन, सरनजीत कौर , मीना सिंह, संदीप राय, शत्रुघ्न खैरवार, जोशी बेबी, राम नारायण, रमेश अहिरवार, सोमनाथ प्रधान के अलावा वरिष्ट्य एवं कनिष्ठ कार्य करता उपस्थित रहे तथा चिरिमिरी क्षेत्र के मितानिन बहनों का भरपूर सहयोग रहा अंत में मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

तड़पता रहा मरीज..बर्थडे-पार्टी करता रहा स्टाफ

डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में इलाज करने से किया मना, कहा- ओपीडी टाइम खत्म

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (एजेंसी)

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला अस्पताल में एक मरीज तेज बुखार से स्ट्रेचर पर तड़प रहा था, लेकिन हॉस्पिटल स्टाफ ने इलाज करने से मना कर दिया। उनका कहना था कि ओपीडी टाइम खत्म हो गया है। दवाई भी नहीं दी गई, जबकि स्टाफ बर्थडे पार्टी सेलिब्रेट करते रहे। इसका वीडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो मरीज के परिजनों ने बनाया है जिसमें वे इलाज करने और दवाई देने की गुजारिश कर रहे हैं, लेकिन स्टाफ बर्थडे केक काटने के चक्कर में मरीज को तड़पता छोड़ दिए।

ओपीडी में एक महिला स्टाफ बैठी थी: वीडियो में दिख रहा है कि ओपीडी में एक महिला स्टाफ बैठी है। उसके सामने ही बाहर एक मरीज स्ट्रेचर पर तड़प रहा है, लेकिन वो ये कहकर इलाज करने से मना कर रही है कि ओपीडी का टाइम खत्म हो गया है। आप थोड़ी देर रुक कर इमरजेंसी में मरीज का इलाज करवा लो।

दूसरे काउंटर से दवा ले लें, उनका टाइम खत्म हो गया: इतना ही नहीं जब परिजन ने कुछ दवा देने के लिए कहा तो महिला स्टाफ ने कहा कि उसने दवाई लिख दी है, काउंटर से ले लो। जब परिजन दवा काउंटर पर पहुंचे तो वहां भी स्टाफ मौजूद नहीं था, तो दूसरे काउंटर से दवा ले लेने की बात कही गई।

ट्रामा यूनिट में सहकर्मी की बर्थ-डे पार्टी: मरीज के परिजन ने जो वीडियो बनाया है वो 12 जुलाई शुक्रवार दोपहर 2 बजे का है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि ड्यूटी खत्म होने की बात कहकर दवा नहीं देने वाले कर्मचारी ट्रामा यूनिट में अपने एक सहकर्मी का बर्थडे इंजॉय कर रहे हैं।

ड्यूटी डॉक्टर ने घायलों का नहीं किया इलाज: इसी दौरान वहां 108 एंबुलेंस दो घायल भी पहुंचे। एक का सिर फटा हुआ था और दूसरे के शरीर में काफी चोट आई थी। एंबुलेंस कर्मचारी ने उनका इलाज जल्दी करने की बात कही, लेकिन बर्थडे पार्टी में व्यस्त डॉक्टर और सहकर्मी ने उनका इलाज नहीं किया। जब बर्थडे पार्टी खत्म हो गई तब इलाज किया गया।

सिविल सर्जन को फोन किया, लेकिन नहीं हुई कार्रवाई: मरीज के परिजन ने घटना के दौरान सिविल सर्जन डॉ. हेमंत कुमार साहू को पूरी जानकारी देनी चाही तो उन्होंने कलेक्टर मीटिंग में होने की बात कहकर रूख से शिकायत करने की बात कही। इसके बाद अब तक इस मामले में उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मामले में जब सिविल सर्जन डॉ. हेमंत कुमार साहू से बातचीत की गई, तो उनका कहना था कि उन्हें पूरी जानकारी नहीं थी। वह इसकी जानकारी लेकर कार्रवाई करेंगे। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 4582 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

पुष्पवर्षा कर दूल्हों का किया स्वागत, डोली में बैठाकर दुल्हनों को किया गया विदा

मीडिया ऑडीटर, सागर निप्र। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सागर जिले में सोमवार को अलग-अलग जनपद क्षेत्रों में विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में जिले में 4582 से अधिक वर-वधु परिणय सूत्र में बंधे। जनपद स्तर पर आयोजित विवाह सम्मेलनों में घराती और बारातियों के रुकने और खाने की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के दौरान दुल्हों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। वहीं, विवाह के बाद दुल्हनों को डोली में बैठाकर विदा किया गया। इस दौरान घराती और बराती ढोल-नगाड़ों पर खूब झूमे। कार्यक्रम के दौरान योजना के तहत नवविवाहित बेटियों को शासन की ओर से दी जाने वाली 49 हजार रुपए की राशि का चेक और प्रमाण पत्र दिया गया।

कन्यादान योजना के तहत सागर नगर निगम ने बालाजी मंदिर परिसर में विवाह सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें 525 जोड़ों का विवाह कराया गया। इसमें 41 जोड़ों का निकाह भी हुआ। कार्यक्रम में विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर संगीता तिवारी, जिला भाजपा अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री आदि मौजूद थे।

नवदंपत्तियों को नशा मुक्ति व पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई: सागर जनपद के तत्वावधान में रूद्राक्ष धाम स्टेडियम बामोरा (बहेरिया गदगद) में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें 40 मुस्लिम जोड़ों सहित कुल 1218 जोड़ों का विवाह कराया गया। विवाह कार्यक्रम के दौरान सभी वधुओं को एक-एक पौधा दिया गया। साथ ही उन्हें नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान जनपद पंचायत सागर की अध्यक्ष सविता सिंह, उपाध्यक्ष राजकुमारी कुशवाहा, सभी जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव आदि मौजूद रहे।

गढ़ाकोटा में हुआ इक्कीसवां पुण्य विवाह समारोह: मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह व निकाह योजना के तहत रहली विधानसभा के गढ़ाकोटा में खेल परिसर और नटराज सभागार में विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें 1309 विवाह पंजीयन हुए थे। जिसमें 1262 पुण्य विवाह और 47 निकाह कराए गए। गढ़ाकोटा में यह इक्कीसवां पुण्य विवाह सम्मेलन था। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व विधायक गोपाल भार्गव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश लहरिया, जनपद पंचायत रहली अध्यक्ष सुरेश कपस्या, मुख्य नगर पालिका अधिकारी धनंजय गुमास्ता आदि मौजूद थे।

देवरी में 221 जोड़ों परिणय सूत्र में बंधे: कन्यादान योजना के तहत देवरी में सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में 221 जोड़ों का विवाह कराया गया। जिसमें 207 जोड़ों ने सात फेरे लिए और 14 जोड़ों ने निकाह कबूल किया। कार्यक्रम में नव विवाहितों को प्रतीकात्मक रूप से 49 हजार रुपए का चेक और तुलसी का पौधा भेंट किया गया। साथ ही विधायक पटेरिया ने अपने निजी व्यय से सभी 221 जोड़ों को घड़ी भेंट की। उन्होंने कहा कि इससे यह पता रहेगा कि समय अमूल्य है। कार्यक्रम में विधायक बृजबिहारी पटेरिया, जनपद अध्यक्ष अनीता पटेरिया, उपाध्यक्ष प्रार्थना खल्ला, नगर पालिका अध्यक्ष नेहा जैन, विनीत पटेरिया, प्रियंका पटेरिया, अनुविभागीय अधिकारी मुनव्वर खान, सीईओ मनीषा चतुर्वेदी आदि मौजूद थी।

मंत्री ने पुष्पवर्षा कर वर-वधु का स्वागत किया: कन्यादान योजना के तहत राहतगढ़ और जैसीनगर में विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शामिल हुए। उन्होंने पुष्पवर्षा कर वर-वधुओं का स्वागत किया। इस दौरान उनकी पत्नी सविता सिंह ने विवाह गीत गाए। राहतगढ़ के मंडी परिसर में आयोजित सम्मेलन में 800 जोड़ों ने सात फेरे लिए। वहीं 106 जोड़ों का निकाह कराया गया। वहीं जैसीनगर में आयोजित विवाह सम्मेलन में 516 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

मंत्री की सख्त चेतावनी के बाद भी प्राइवेट स्कूल बंद

नर्मदापुरम में आज से प्राइवेट स्कूल हड़ताल पर, बच्चों की छुट्टी, स्टाफ को बुलाया

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम निप्र। मध्यप्रदेश सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप की चेतावनी के बाद भी नर्मदापुरम के प्राइवेट स्कूल संचालक सोमवार से हड़ताल पर चले गए हैं। जिले के 430 में से अधिकांश स्कूल बंद हैं, लेकिन कुछ स्कूल खुले हुए हैं और हड़ताल को समर्थन नहीं दिया है।

स्कूल को बंद रखने की जानकारी स्कूल मैनेजमेंट की ओर से पेरेंट्स के वॉट्सएप ग्रुप पर रविवार को ही दे दी गई थी। स्कूल कब तक बंद रहेंगे, यह नहीं बताया। यह तब है, जब इसकी जानकारी मिलने पर रविवार को ही शिक्षा मंत्री ने सख्त लहजे में कहा था, 'देश की व्यवस्था का सबसे जिम्मेदार आदमी स्कूल संचालक होता है। वो अगर हड़ताल पर जाने का गैर जिम्मेदार निर्णय करेगा तो इसके परिणाम भी ठीक नहीं होंगे। कोई समस्या है तो बातचीत से हल निकल सकता है।'

प्राइवेट स्कूल संचालकों के संगठन सोसाइटी फॉर प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर्स (सोपास) ने अनिश्चितकालीन स्कूल बंद की घोषणा की है। सोपास संगठन के जिलाध्यक्ष अलोक राजपूत ने बताया कि शिक्षा मंत्री से बात हुई है। अब संगठन की कोर कमेटी उनसे बात करेगी। प्रतिनिधि मंडल जिला स्तर के अधिकारियों से भी बात करेगा।

फीस वृद्धि की सूची में नाम, लेकिन हड़ताल को नहीं दिया समर्थन: हड़ताल का कितना असर है? जानने के लिए दैनिक भास्कर की टीम शहर के शांतिनिकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल सदर बाजार, सर्वाइट स्कूल, सेमेरिंटन हायर सेकेंडरी स्कूल चक्कर रोड, सनराइज स्कूल, सेंट पॉल स्कूल, प्रियंका हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंची। इन स्कूलों में स्टाफ तो मिला, लेकिन बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कूल बंद रखा गया।

शांतिनिकेतन स्कूल में सीबीएसई बोर्ड की पूरक परीक्षा हुई तो सेमेरिंटन स्कूल में संगीत का प्रोग्राम हुआ। न्यू एरा कॉन्वेंट स्कूल कालिकानगर ने हड़ताल को समर्थन नहीं दिया है। स्कूल स्टाफ का कहना है कि हमारी लड़ाई शासन की नीतियों के खिलाफ है। हड़ताल से बच्चों का नुकसान होगा। प्रशासन ने फीस बढ़ाने पर 79 स्कूल की लिस्ट बनाई है। इस लिस्ट में न्यू एरा स्कूल का नाम भी है।

यह समस्या बता रहा सोपास: स्कूल संचालकों से फीस बढ़ाने की जानकारी जिस पोर्टल पर अपलोड कराई जा रही है, उसमें बहुत खामियां हैं। जानकारी लेने से पहले इसमें सुधार किया जाए। 10 जुलाई को निजी स्कूलों के सोपाक संगठन ने बैठक की। संगठन ने कहा कि कोरोना काल में सरकार ने फीस 10 फीसदी कम करने का कहा था। हमने तीन साल तक कम की। अब हम तीन साल पहले जितनी हमारी फीस हुआ करती थी, उस अनुसार 10 प्रतिशत बढ़ा रहे हैं, तो विभाग और अभिभावक कह रहे हैं कि हमने 20 से 25 फीसदी फीस बढ़ा दी।

सिवनी मालवा में दो दिन स्कूल बंद रखने का निर्णय: नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील के 69 निजी स्कूल 15 और 16 जुलाई तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। सोपास के प्रदेश महासचिव प्रवीण पणिकर ने बताया कि आज और कल स्कूल बंद रहेंगे। आगे क्या करेंगे, आज बैठक के बाद निर्णय लिया जाएगा। उधर, पिपरिया में सेंट जोसफ, ब्राइट करियर ने हड़ताल को समर्थन नहीं दिया है।

भोजशाला पर 2000 पन्नों की रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश

हिंदू पक्ष का दावा- 94 से ज्यादा मूर्तियां मिलीं, मुस्लिम पक्ष बोला- फैसला सुप्रीम कोर्ट करेगा

मीडिया ऑडीटर, इंदौर निप्र। धार की भोजशाला मंदिर है या मस्जिद इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए 98 दिन वैज्ञानिक सर्वे किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील हिमांशु जोशी ने सोमवार को रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट में पेश कर दी। ये रिपोर्ट मीडिया से शेयर नहीं करने के निर्देश सभी पक्षों को दिए गए हैं।

हिमांशु जोशी का कहना है कि रिपोर्ट 2 हजार पेज की है। इसमें सर्वे और खुदाई के दौरान मिले 1700 से ज्यादा प्रमाण/अवशेष शामिल हैं। हाईकोर्ट इस पर 22 जुलाई को सुनवाई करेगा।

हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन ने दावा किया कि 'भोजशाला की सर्वे रिपोर्ट से हिंदू पक्ष का दावा 100% साबित हो रहा है। यहां 94 आर्टिकल्स मिले, इनमें टूटी मूर्तियां, शिलालेख और संस्कृत के श्लोक हैं। इससे प्रतीत होता है कि यहां मां वाग्देवी मंदिर ही था और धार्मिक शिक्षा दी जाती थी। अलग-अलग टाइम के करीब 30 सिक्के भी इनमें शामिल हैं।

याचिकाकर्ता ने कहा- परमारकालीन मूर्तियां भी मिलीं: हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने दावा किया कि यह इमारत राजा भोज के काल की ही साबित होगी, जिसे वर्ष 1034 में बनाया गया था। स्ढ़ को इस सर्वे में कई प्राचीन मूर्तियां मिली हैं, जो परमारकालीन हो सकती हैं। इस तरह ये परमारकालीन इमारत है।

अवशेषों से लगभग तय माना जा रहा है कि इसका निर्माण 9वीं से 11वीं शताब्दी के बीच का है। एक गर्भगृह के पास ईंटों से बनी 27 फीट लंबी दीवार भी मिली है। पुरातत्वविदों का मानना है कि ईंटों से निर्माण और भी प्राचीन समय में होता था। मोहन जोदड़ो सभ्यता के समय, यानी यह स्थान और भी प्राचीन हो सकता है।

फैसला सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर ही होगा: धार के शहर काजी वकार सादिक ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्देश दे चुका है कि स्ढ़ की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट स्तर से कोई एक्शन नहीं लिया जा सकता है। हाईकोर्ट में 22 जुलाई को सुनवाई है, लेकिन फैसला सुप्रीम कोर्ट स्तर से ही करना है।

उन्होंने कहा कि सुनने में आया है कि रिपोर्ट पक्षकारों को दी जा रही है। रिपोर्ट की गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश भी सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे, ऐसे में पक्षकारों को रिपोर्ट दी जानी थी या नहीं, इस तथ्य पर भी जानकारी ले रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि कोई भी पक्ष रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करेगा, ताकि अमन कायम रहे।

ट्रक में घुसी कार, डब्लूसीएल के अधिकारी की मौत

पत्नी, दो बच्चे और ड्राइवर घायल

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर निप्र। जबलपुर में हुए रोड एक्सीडेंट में झारखंड की डब्लूसीएल (वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) कंपनी के अधिकारी की मौत हो गई। हादसा रविवार रात हाईवे पर पनागर के कुसनेर गांव के पास हुआ। पत्नी, दो बच्चे और ड्राइवर घायल हुए हैं। ड्राइवर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

कौशल सिंह (40) महाराष्ट्र के चंद्रपुर के रहने वाले थे। पत्नी रश्मि और दो बच्चों के साथ वे चंद्रपुर जा रहे थे। कार (जेएच-24 जी 3941) की ड्राइवर वाली सीट पर कौशल, जबकि पत्नी और बच्चे पिछली सीट पर बैठे थे। बताया जा रहा है कि हाईवे पर ट्रक ड्राइवर ने ब्रेक लगाए, इस वजह से पीछे से आ रही कार ट्रक में घुस गई। ड्राइवर कार पर कंट्रोल नहीं कर पाया।

सिर में चोट लगने से कौशल सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। पनागर थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है।

ट्रेन की टक्कर से टाइगर की मौत

सीहोर के बुधनी में रेलवे ट्रैक पर मिला शव, पास में ही दो शावक घायल मिले

मीडिया ऑडीटर, जोशीपुर निप्र। सीहोर जिले के बुधनी क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई। जबकि दो छोटे शावक घायल हो गए। इनके इलाज के लिए भोपाल से डॉक्टर्स की टीम यहां पहुंची है। जिसने शावकों को इलाज शुरू कर दिया है।

हादसा सोमवार सुबह 11 से 12 बजे के बीच बुधनी के मिडघाट रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 800/18 के पास हुआ। रेंजर महिपाल सिंह ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर 1 बाघ का शव मिला है। उसके साथ दो बाघ घायल थे। ये ट्रेन की चपेट में आए हैं। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया है।

डीएफओ एमएस डाबर ने भी बाघ के ट्रेन से टकराने की बात कही है। दोनों शावक की उम्र एक एक साल की बताई जा रही है। एसके सिन्हा, डिप्टी डायरेक्टर वन विहार भोपाल का कहना है कि वन विहार के वाइल्ड लाइफ डॉक्टर्स और रेस्क्यू टीम मौके पर भेजी गई हैं। फिहलाल टीम लौटकर नहीं आई हैं।

एमपी में 785 टाइगर, राज्य को टाइगर स्टेट का दर्जा: 2022 की गणना के अनुसार मध्यप्रदेश में 785 बाघ पाए गए। जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इस घोषणा के साथ ही मध्यप्रदेश को लगातार दूसरी बार टाइगर स्टेट का दर्जा मिला है। पिछली गणना 4 साल पहले 2018 में हुई थी। तब यह संख्या 526 थी। इसमें अब 259 टाइगर बढ़ गए हैं। इंटरनेशनल टाइगर डे पर 29 जुलाई 2023 को यह रिपोर्ट जारी की गई थी। जिसमें मध्य प्रदेश तीसरी बार टाइगर स्टेट बना है। सबसे पहले 2006 में टाइगर स्टेट बना था। फिर 2018 और 2022 में लगातार दो बार टाइगर स्टेट बना।

साले ने जीजा को चाकू से गोदकर मार डाला

खंडवा के खानशाहवली में दिनदहाड़े हत्याकांड, पारिवारिक विवाद का मामला

मीडिया ऑडीटर, खंडवा निप्र। खंडवा के खानशाहवली इलाके में मेन रोड पर सोमवार सुबह एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोपी रिश्तेदार ने युवक को दिनदहाड़े चाकू से गोदकर मारा है। वारदात के समय तेज बरसात हो रही थी, इसलिए सड़क पर सन्नाटा था। मौके पर पहुंची थाना मोघट रोड पुलिस ने शव बरामद कर लिया है। आरोपी की पहचान हो गई है, पुलिस तलाश में जुटी हुई है।

पुलिस के मुताबिक, मृतक शोएब पिता निसार गुलशन नगर निवासी हैं। वह ऑटो चलाता था। हालांकि, सुबह खानशाहवली क्षेत्र में वह पैदल पहुंचा था।

यहां फुटपाथ पर जूते-चप्पल की दुकान लगाने वाले शाहरुख निवासी इंदिरा नगर बेड़ी से विवाद हो गया। विवाद के दौरान शाहरुख ने शोएब पर चाकू से हमला कर दिया। लहूलुहान हुए शोएब ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बारिश के बीच काफी देर तक शव रोड़ किनारे पड़ा रहा। बताते हैं कि आरोपी और मृतक जीजा-साले हैं। साले ने जीजा की हत्या की है।

पुलिस कस्टडी में दूल्हे की मौत, हंगामा

दुल्हन ने अपने ऊपर पेट्रोल डाला, चाची ने खुद को आग लगाई, बुझाने में एसडीओपी झुलसे

मीडिया ऑडीटर, गुना निप्र। गुना पुलिस की कस्टडी में एक दूल्हे की मौत का आरोप है। दूल्हा और उसके चाचा को किसी डकैती के केस में पूछताछ के लिए पकड़ा गया था। रविवार को उसकी बारात जानी थी, इसके ठीक पहले पुलिस उसे पकड़कर ले गई। युवक पर 7 अपराध दर्ज हैं। दूल्हे की मौत की खबर सुनकर रविवार देर रात पारदी समाज के लोग जिला अस्पताल में जमा हो गए। अस्पताल पहुंची दुल्हन ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। उसकी चाची ने पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली। बचाने में एसडीओपी झुलस गए। मामला जिले के बीलाखेड़ी का है। परिजन भोपाल में पोस्टमॉर्टम कराने की मांग पर अड़े थे, लेकिन पोस्टमॉर्टम गुना जिला अस्पताल में ही किया गया। इस दौरान 8 थानों का पुलिस फोर्स, 3 एसडीएम, तहसीलदारों समेत राजस्व विभाग का अमला मौजूद रहा। पीएम के बाद बॉडी परिजन के सुपुर्द कर दी गई।

बारातियों के ट्रैक्टर पर थाने ले गई पुलिस: बीलाखेड़ी के रहने वाले देवा पारदी की बारात गुना शहर के गोकुल सिंह चक्क पर आने वाली थी। शाम 4.30 बजे पुलिस गांव में पहुंची। जिस ट्रैक्टर पर बारात जाना थी, उसी से देवा और उसके चाचा गंगाराम को पुलिस ले गई। देवा की चाची और गंगाराम पारदी की पत्नी सूरजबाई के मुताबिक, हम भी पीछे-पीछे झागर चौकी पहुंचे। पुलिस ने कहा कि एक गाड़ी की बरामदगी करनी है, इसलिए उसे लेकर आए हैं। देर रात जिला अस्पताल से सूचना मिली कि एक पारदी युवक को पोस्टमॉर्टम रूम में लाया गया है। अस्पताल पहुंचकर पता चला कि पुलिस कस्टडी में देवा की मौत हो गई है।

मिनी ट्रक में भरकर जिला अस्पताल पहुंची महिलाएं: एक मिनी ट्रक से देवा पारदी की दुल्हन, चाची और दूसरी महिलाएं अस्पताल पहुंचीं। दुल्हन ने अपने पूरे शरीर पर पेट्रोल डाल लिया। वह आत्मदाह की कोशिश करने लगी। इसी बीच पुलिस ने उसे पकड़ा और अस्पताल चौकी में बैठा लिया। थोड़ी देर बाद चाची सूरज बाई ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। वह झुलस गई। आग बुझाने में एसडीओपी युवराज सिंह के हाथ की अंगुलियां झुलस गईं। महिलाओं की कई बार पुलिस से धक्कामुक्की भी हुई।

मौत से पहले की आखिरी सेल्फी: घर में शादी की रस्में चल रही थीं। देवा के हाथ में मेहंदी लग चुकी थी। बारात ले जाने से पहले उसने शेरवानी पहनकर यह आखिरी फोटो क्लिक की। उधर, दुल्हन भी तैयार हो चुकी थी। बारात आने का इंतजार चल रहा था। देर रात देवा की मौत की खबर मिली।

13 जुलाई की शाम पारदी गिरोह ने पुलिस टीम पर किया था हमला: यह पूरा मामला 13 जुलाई की शाम 5 बजे से शुरू हुआ। धरनावदा थाने से महज 8 किमी दूर पारदी गिरोह ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। इसमें 10 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। 13 जुलाई की रात 1.30 बजे मामले में एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर के मुताबिक, भोपाल और राजगढ़ की पुलिस टीम अपने जिले में हुई चोरी के आरोपियों की तलाश में झागर चौकी आई थी। सहायता के लिए रूठियाई चौकी और धरनावदा थाने का पुलिस बल भी झागर चौकी पहुंचा। सभी ने मिलकर गांव में दबिश दी। इस दौरान पारदियों ने पुलिस टीम पर हमला किया। गोलियां चलाईं और पत्थर फेंके।

भूत का डर बताकर 1 करोड़ ठगे, मकान नाम कराया

गुप्तदान में फॉर्च्यूनर कार ली, 10वीं पास ढोंगी ने 5 साल किया तंत्र-मंत्र

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर निप्र। जबलपुर में तीन बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर को भूत-प्रेत का डर दिखाकर 1 करोड़ रुपए ऐंठ लिए। एक मकान अपने नाम करा लिया। तंत्र-मंत्र के लिए गुप्तदान में फॉर्च्यूनर कार भी ले ली। 10वीं पास ढोंगी ने 5 साल तक परिवार को उलझाकर रखा। ठगी का एहसास हुआ तो तिलहरी के रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र बावत ने 9 जुलाई को एसपी आदित्य प्रताप सिंह से शिकायत की।

गोराबाजार थाना पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपियों के खिलाफ पहले से कैंट और गोहलपुर थाने में धोखाधड़ी का केस पीड़ित परिवार से बात की।

पुश्तैनी जमीन बेचना चाहता था परिवार: तिलहरी में गुलाबचंद (77) पत्नी शकुंतला बातव (64), बेटे विजेंद्र (43) और विक्की (41) के साथ रहते हैं। गुलाबचंद रेलवे से रिटायर्ड हैं। विजेंद्र और विक्की प्रॉपर्टी डीलर हैं। क्षेत्र में उनकी बेशकीमती पुश्तैनी जमीन है। 2016 में वह जमीन बेचना चाहते थे। कुछ बिल्डर्स से बात भी हुई थी।

यह बात चंडाल भाटा के रहने वाले अरुण दुबे, वरुण दुबे और सचिन उपाध्याय को पता चली। अरुण और वरुण सगे भाई हैं। तीनों ने परिवार को ठगने की साजिश रची। एक सप्ताह तक घर की रेकी की। परिवार के बारे में जानकारी जुटाई।

सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी: विजेंद्र ने बताया, 2016 जनवरी-फरवरी में मुख्य आरोपी अरुण दुबे ने मुझे सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर दोस्ती की। दोनों की मैसेंजर में बात होने लगी। मैंने उसे बताया कि पॉश इलाके में जमीन है। उसे बेचना चाहते हैं। कई बिल्डरों से बात भी चल रही है।

अरुण ने कहा, 'मैं ज्योतिषी हूं। बता सकता हूं कि आपके घर में क्यों बाधा आ रही है। यह बात मैंने माता-पिता और छोटे भाई को बताई। मां ने अरुण को घर बुलाने के लिए कहा। मई 2016 में पहली बार अरुण अपने छोटे भाई वरुण और दोस्त सचिन के साथ विजेंद्र के घर पहुंचा।

मां से कहा, छोटे बेटे की मौत हो जाएगी: तीनों आरोपियों ने काफी देर तक पूरा घर देखा। मां शकुंतला से कहा कि घर में वास्तुदोष है। आपके छोटे बेटे का भी मृत्यु योग दिख रहा है। कुछ ही साल बाद बेटे की मौत हो जाएगी। यह सुनकर शकुंतला डर गईं।

समाधान पूछा, तो पूजा करने की बात कही। इसके लिए 10 हजार रुपए ले लिए। आधे घंटे की पूजा करके चले गए। इसके बाद हर तीन-चार दिन बाद बातव परिवार के घर आते-जाते रहे। भूत-प्रेत और वास्तुदोष के नाम पर कभी 20 हजार, 50 हजार तो कभी एक लाख रुपए ले जाते। एक दिन कहा कि घर के सभी लोगों को कुंडली बनाकर देखा जाएगा। इसके लिए दो लाख रुपए ले लिए। चार दिन बाद कुंडली लेकर घर पहुंचे। बताया कि जो जमीन है, उस पर 14 प्रेत हैं। जब तक वे रहेंगे, तब तक जमीन नहीं बिकेगी।'

दंडी स्वामी के नाम पर गुप्तदान भी मांगा: विजेंद्र ने बताया, साल 2017-18 में अरुण ने मां से कहा कि जमीन से 14 प्रेतों को दूसरे मकान में भेजा जाएगा। दंडी स्वामी प्रेतों को निकालेंगे। उसके लिए गुप्त दान करना होगा। प्रेतों के लिए नया मकान देना होगा। अरुण ने ग्रीन सिटी के पास स्थित एक मकान को दंडी स्वामी और प्रेत के लिए दिलाने की बात कही। बातों में आकर दंडी स्वामी के लिए 45 लाख का मकान खरीदवा दिया। रजिस्ट्री वरुण दुबे के नाम करवा दी।

आरोपियों ने कहा, गुप्तदान के बारे में किसी को बताया, तो सब बेअसर हो जाएगा। वरुण दुबे यह कहकर मकान में रहने लगा कि कभी-कभी दंडी स्वामी यहां आते हैं। मैं उनकी सेवा के लिए रह रहा हूं। आरोपियों ने ग्वारीघाट पर बैठे साधुओं को भी पैसों का लालच दिया था। जिसे भी पूजा के लिए बुलाते, तो साधु से आशीर्वाद दिलवाकर कहते कि सब अच्छा होगा। इसके लिए भी पैसे लिया करते थे।

छोटे बेटे के भाग्य में अकूत संपत्ति बताई: विजेंद्र ने बताया, 'साल 2016 से 2018 तक करीब 60 से 70 लाख रुपए चेक और नकदी ले चुके थे। एक दिन मां आरोपियों ने दंडी स्वामी का फर्जी लेटर बताया। कहा- पत्र में लिखा है कि आपका छोटा बेटा विक्की बातव के पास बहुत सारा पैसा आने वाला है। दुबई में उसका इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट का काम होगा। इसके लिए वरुण दुबे की बात्सया ओवरसीज कंपनी में पार्टनर बनना होगा। वरुण ने शकुंतला और विक्की को फर्जी कंपनी में पार्टनर बना लिया। इसके एवज में 16 लाख रुपए का चेक ले लिया। कहा कि जल्द ही काम तेजी से चलेगा। दुबई में ही शिफ्ट हो जाओगे।

जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के पांचवें खिलाड़ी के तौर पर तुषार देशपांडे ने किया डेब्यू

नई दिल्ली। भारत और जिम्बाब्वे के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मैच हरारे में खेला जा रहा है। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। पहले और दूसरे मैच के बाद चौथे मैच में भारत ने प्लेइंग इलेवन में बदलाव किया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दौरे पर भारत के पांचवें खिलाड़ी ने डेब्यू किया है। चौथे मैच में तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे को जगह दी गई है। वह आवेश खान की जगह टीम में खेलने उतरे हैं। तुषार देशपांडे ने डेब्यू कैप मिलने पर कहा कि, यहां आकर बहुत खुश हूं, ये मेरे बचपन के दिनों की याद दिलाता है, जब मैंने अपने देश के बारे में खेलने का सपना देखा था। नीली जर्सी पहनकर यहां आना बहुत गर्व की बात है। मेरे लिए ये बहुत मायने रखता है।

गुकेश और प्रज्ञानानंदा 45वें शतरंज ओलंपियाड के लिए भारतीय टीम में

चेन्नई। भारत के स्टार खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा हंगरी के बुडापेस्ट में सितंबर में होने वाले आगामी शतरंज ओलंपियाड में भाग लेंगे। नवंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में चीन के मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले गुकेश के लिए यह टूर्नामेंट 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होगा। गुकेश (18 वर्ष) ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। वह अप्रैल में टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने पीटीआई को पुष्टि करते हुए बताया कि टीम में अर्जुन एरिगेसी, विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा भी शामिल हैं। महिला टीम में डी हरिका, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव मौजूद हैं। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अज्ञात कारणों से टीम से बाहर हैं जिन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। भारत ने पहली बार 2022 में ओलंपियाड के पिछले चरण की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान देश ने ओपन और महिला दोनों वर्गों में कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपियाड का 45वां चरण होगा। हंगरी पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी मेजबानी करेगा।

यूरो कप फाइनल में स्पेन को जीतते देखना चाहते हैं बाईचुंग भूटिया

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ यूरो कप फाइनल में स्पेन को जीतते हुए देखना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद है कि लेमिन यमल और निको विलियम्स शानदार प्रदर्शन से दुनिया भर के प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। भूटिया ने कहा, ''स्पेन का पलड़ा निश्चित रूप से फाइनल में भारी होगा क्योंकि जिस तरह से वे खेल रहे हैं, उसे देखकर उनकी टीम पूरी तरह से संतुलित दिख रही है। वे तकनीकी रूप से अच्छा खेल दिखा रहे हैं। उन्होंने छह में से छह मैच जीते हैं। निश्चित रूप से स्पेन की टीम फॉर्म में है।'' भारत के इस 47 वर्षीय महान स्ट्राइकर ने कहा, ''यमल और विलियम्स फिर शानदार प्रदर्शन करेंगे।

वर्ल्ड कप जीतने के बाद पहली बार अपने होम टाउन पहुंचे हार्दिक पांड्या, मरीन ड्राइव जैसा दिखा माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों का भारत में जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय टीम को वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ देखने के लिए लाखों फैंस मुंबई के मरीन ड्राइव पहुंचे थे। टीम इंडिया ने 17 सालों के बाद टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था। भारत की जीत के बाद खिलाड़ियों को हर तरफ सम्मान किया जा रहा है। इसी बीच टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भारत की जीत के बाद अपने होम टाउन वड़ोदरा पहुंचे हैं। जहां उनके स्वागत में हजारों फैंस अपने घरों के बाहर आ गए। हार्दिक इस दौरान काफी खुश नजर आए।

अपने घर पहुंचे हार्दिक पांड्या: टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या जब से भारत पहुंचे हैं, उन्हें अपने होम टाउन जाने का समय नहीं मिल सका था। जिसके कारण वह देरी से अपने घर पहुंचे हैं। इसके बाद भी फैंस ने उनके स्वागत में कोई कमी नहीं की है। हार्दिक इस दौरान बस पर खड़े नजर आ रहे हैं और उनकी एक झलक पाने के लिए हजारों फैंस वहां मौजूद है। हार्दिक के वहां पहुंचते ही मुंबई के मरीन ड्राइव जैसा माहौल देखने को मिल रहा था। हार्दिक पांड्या ने भारत को वर्ल्ड कप जिताने में एक अहम रोल निभाया था। हार्दिक जब बस पर मौजूद थे तो वह अपने इंस्टाग्राम से लाइव भी आए थे। जहां फैंस हार्दिक-हार्दिक के नारे लगाते नजर आ रहे हैं।

कुछ महीने पहले हुए थे ट्रोल: हार्दिक पांड्या को टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से कुछ महीनों पहले आईपीएल के दौरान फैंस द्वारा भारी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। जब उन्हें रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंप दी गई थी। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई की टीम प्लेऑफ तक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। हार्दिक को हर वेन्यू पर फैंस ने ट्रोल किया था। अब यही ट्रोलर्स उनके फैन बन चुके हैं। वर्ल्ड कप के फाइनल में हार्दिक पांड्या ने भारत के लिए आखिरी ओवर फेंका था। जहां उन्होंने डेविड मिलर को आउट किया और आखिरी ओवर में 16 रन बचाए। इसके अलावा हार्दिक ने इस मुकाबले में क्लासेन को भी आउट किया था। रोहित शर्मा ने भी यह माना था कि हार्दिक के आखिरी ओवर के कारण टीम इंडिया यह मैच अपने नाम कर सकी थी।

भारतीय खिलाड़ी ने मांगी माफी अपने इंस्टा स्टोरी पर लिखी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व स्टार खिलाड़ियों ने हाल ही में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप यानी कि वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने पाकिस्तान की टीम को आखिरी ओवर में हराया और खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की प्रदर्शन काफी कमाल का रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच जीतने के बाद खिलाड़ियों ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट की थी। जोकि सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इसी बीच भारत के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह ने अपने साथी युवराज सिंह, सुरेश रैना और गुरकीरत मान के साथ एक ऐसा वीडियो पोस्ट किया। जिसने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया।

वीडियो के कारण मांगनी पड़ी माफी: टीम इंडिया के लिए वर्ल्ड कप जीत चुके हरभजन सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। जहां उन्होंने युवराज सिंह, सुरेश रैना और गुरकीरत मान के साथ मिलकर वीडियो बनाया था। इस वीडियो में चारों खिलाड़ी दिव्यांग की तरह एक्ट करते नजर आ रहे हैं। जहां उन्होंने कैप्शन में लिखा था कि 15 दिनों तक क्रिकेट खेलने के बाद उनका हालत ऐसी हो गई है। फैंस को इनका ये वीडियो पसंद नहीं आया और इसके लिए उन्हें भारी ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। अब इस वीडियो के लिए हरभजन सिंह ने माफी मांगी है।

हरभजन ने लिखी ये बात: हरभजन सिंह ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि मैं बस अपने उन लोगों को स्पष्ट करना चाहता हूं जो यहां इंग्लैंड में चैंपियनशिप जीतने के बाद सोशल मीडिया पर तौबा तौबा के हमारे हालिया वीडियो के बारे में शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि हम किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। हम हर व्यक्ति और समुदाय का सम्मान करते हैं और यह वीडियो सिर्फ 15 दिनों तक लगातार क्रिकेट खेलने के बाद हमारे शरीर के हालत के बारे में था।

जोकोविच विम्बलडन जीतकर बनाएंगे ये महारिकॉर्ड

नई दिल्ली। विम्बलडन चैंपियनशिप 2024 में पुरुष सिंगल्स के फाइनल खेला जाएगा। इस मुकाबले में सर्बिया के स्टार नोवाक जोकोविच और स्पेन के कार्लोस अल्कारेज आपस में भिड़ेंगे। लंदन में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त नोवाक ने 25वीं सीड इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को सीधे सेटों में 6-4, 7,6 (2), 6-4 से हराया। कार्लोस अल्कारेज ने पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में रूस के डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराया था। मेदवेदेव मौजूदा विम्बलडन चैंपियन हैं। अल्कारेज ने पिछले साल नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था। अब जोकोविच का लक्ष्य सेंटर कोर्ट पर मिली हार का बदला चुकता करने पर होगा। वैसे कार्लोस अल्कारेज को हराना जोकोविच के लिए आसान नहीं रहने वाला है। अल्कारेज इससे पहले तीन बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे और जीत भी हासिल की थी।

21 वर्षीय अल्कारेज तीनों तरह के कोर्ट घास, क्ले और हार्ड पर ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

सिकंदर रजा ने टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास ऐसा करने वाले जिम्बाब्वे के पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जिम्बाब्वे के बीच चौथा टी20 मैच खेला जा रहा है। जहां इस मुकाबले में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। दरअसल, वे जिम्बाब्वे की टीम के लिए टी20आई क्रिकेट में 2000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक और बड़ी उपलब्धि उन्होंने अपने नाम की है।

वे टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 2000 रन और 50 से ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। सिकंदर रजा ने भारत के खिलाफ चौथे टी20आई मैच में ये उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा सिकंदर रजा ने भारत के खिलाफ अपना सबसे बड़ा निजी स्कोर भी बनाया है, अभी तक वे भारत के खिलाफ 34 रन ही बना पाए थे। ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने जैसे ही भारत के खिलाफ हरारे में जारी चौथे टी20आई मैच में 13वें ओवर का आखिरी गेंद पर 17वां रन बनाया, वैसे ही वे जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर सीन विलियम्स हैं। उन्होने 1691 रन जिम्बाब्वे के लिए टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बनाए हैं। तीसरे नंबर पर हैमिल्टन मासकाद्जा हैं, जिन्होंने 1662 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे की टीम के कप्तान ने भारत के खिलाफ 46 रनों की पारी केली। ये भारत के खिलाफ उनका सर्वाधिका स्कोर था। वहीं सिकंदर रजा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 2000 से ज्यादा रन और 50 से ज्यादा विकेट चटकाने वाले दुनिया के पांचवें ऑलराउंडर बन गए हैं। ऐसा करने वाले भी वे जिम्बाब्वे के पहले ही ऑलराउंडर हैं। उनके अलावा बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (2551 रन और 149 विकेट), अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी (2165 रन और 96 विकेट), मलेशिया के विरनदीप सिंह (2320 रन और 66 विकेट) और पाकिस्तान के मोहम्मद हफीज (2514 रन और 61 विकेट) ने 2000 प्लस रन और 50 प्लस विकेट निकाले हैं। रजा ने 2000 से ज्यादा रन और 65 विकेट टी20 आई में निकाले हैं।

आईसीसी बोर्ड टी20 विश्व कप के अमेरिकी चरण के खर्चों पर चर्चा कर सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के अमेरिका चरण में बजट से अधिक खर्च होने का अनुमान है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड कोलंबो में 19 जुलाई को होने वाली वार्षिक बैठक के दौरान इस नुकसान पर चर्चा कर सकता है। टी20 विश्व कप की ऑडिटिंग (आय और व्यय का लेखा जोखा) पूरी नहीं हुई है, इसलिए नुकसान का आंकड़ा बताना मुश्किल है क्योंकि दर्शकों के टिकट से प्राप्त राशि की पूरी तरह से गणना की जानी बाकी है।

बोर्ड के प्रमुख सदस्यों का हालांकि मानना है कि टूर्नामेंट के अमेरिका चरण में हुआ नुकसान लाखों डॉलर में हो सकता है। यह पता चला है कि टूर्नामेंट निदेशक क्रिस टेटली ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार इंग्लैंड के 49 वर्षीय खेल प्रशासक ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही इस्तीफा देने का मन बना लिया था। आईसीसी बोर्ड के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''कई सदस्य टेटली के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया था, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि टी20 विश्व कप के अमेरिका चरण का इससे कोई लेना-देना है।'' उन्होंने कहा, ''कम से कम तीन आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट और सभी सहयोगी देशों को टी20 अंतरराष्ट्रीय का दर्जा मिलने के कारण, प्रबंधन का काम निरंतर चल रहा है। ऐसा माना जाता है कि टेटली ने कुछ समय पहले ही अपना पद छोड़ने का फैसला किया था।'' जिन लोगों ने इस आयोजन के संचालन के लिए करीब से काम किया है, उनका मानना है कि आईसीसी वास्तव में टिकटों की बिक्री के माध्यम से अच्छी कमाई करेगी। जिस बात ने आईसीसी के प्रभावशाली सदस्यों को नाराज किया है, वह इस प्रमुख आयोजन के लिए न्यूयॉर्क शहर को एक मेजबान के तौर पर चुनना है। नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड की काफी आलोचना हुई थी और इस स्थिति से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था। उन्होंने कहा, ''यह आयोजन अमेरिका में होना था और न्यूयॉर्क के अलावा अन्य शहर भी थे जहां मैचों का आयोजन किया जा सकता था। इस पर विचार क्यों नहीं किया गया?'' उन्होंने सवाल उठाया, '' पिच के परीक्षण के लिए कोई अभ्यास मैच क्यों नहीं खेला गया। यह पिच निश्चित रूप से शीर्ष स्तर के क्रिकेट के लिए अनुपयुक्त था।

सीएम हेल्पलाईन की कोई शिकायत नहीं रहे नाट अटेण्ड

डी श्रेणी में रही तहसील तो कटेगा तहसीलदार का वेतन, समय सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने अधिकारियों से कहा है कि सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत बिना अटेण्ड उच्च स्तर पर नहीं जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई की ग्रेडिंग के बाद जो भी विभाग डी श्रेणी में पाये जायेंगे। उस विभाग के अधिकारी की एक सप्ताह की सैलरी काटी जायेगी। बिरसिंहपुर तहसील में अपेक्षित प्रगति नहीं आने पर कलेक्टर ने 20 जुलाई की मोहलत दी है। ग्रेडिंग के बाद तहसील के डी श्रेणी में रहने पर संबंधित तहसीलदार की एक सप्ताह की वेतन काट दी जायेगी। कलेक्टर ने सोमवार को समय सीमा प्रकरणों की बैठक में कहा कि पिछले सप्ताह सीएम हेल्पलाइन में अच्छा काम हुआ है। ग्रेडिंग के दौरान टाप टेन जिलों में बने रहने के लिए अभी और प्रयास की जरूरत है। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीणा, एसडीएम एपी द्विवेदी, सुधीर बेक, जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाड़िया सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कहा कि पिछले हफ्ते बेहतर काम होने से शिकायतें 17 हजार से घटकर 14 हजार पर आ गई है। सभी विभागों को और भी अधिक मेहनत करना आवश्यक है ताकि ग्रेडिंग के दौरान भी जिला अग्रणी पंक्ति में बना रहे। उन्होंने कहा कि राजस्व में अभी भी बहुत काम करने की आवश्यकता है। रामपुर बघेलान तहसील में काफी सुधार हुआ है। लेकिन बिरसिंहपुर तहसील में अपेक्षित प्रगति नहीं आ पाई है। सभी एसडीएम अपनी तहसील की सीएम हेल्पलाइन की मानीटरिंग करें। कलेक्टर ने कहा कि कोई भी शिकायत अगली स्टेज तक नाट अटेण्ड नहीं जानी चाहिए। नाट अटेण्ड शिकायतों का पूरा वेटेज 10 प्रतिशत मिलना ही चाहिए। सतना जिला जून माह की शिकायतों के साथ अभी 6वें स्थान पर है। कुल 70 प्रतिशत वेटेज के साथ जिला बी श्रेणी में है। ग्रेडिंग के अनुसार स्वास्थ्य, श्रम, खनिज, जल संसाधन और राजस्व विभाग डी श्रेणी में है। सभी विभाग चार दिनों में सीएम हेल्पलाइन पर फोकस कर डी श्रेणी से बाहर आये। सीएम हेल्पलाइन में प्रगति नहीं आने और 40 से अधिक शिकायतें लंबित पाये जाने पर कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारी नागौद, बिरसिंहपुर, उचेहरा, कोठी और सहायक श्रमायुक्त को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने स्वामित्व योजना, जल जीवन मिशन, खाद्यान्न उठाव एवं वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण, राजस्व के बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने उच्च न्यायालय में चल रहे मामलों में जबाव दावा दाखिल करने और अवमानना के प्रकरणों में की गई कार्यवाही की समीक्षा की। कोर्ट के अवमानना के प्रकरणों में उचित कार्यवाही नहीं करने पर संबंधित विभागों, आरटीओ, कार्यपालन यंत्री बाणसागर, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नजूल, डीपीसी और जिला शिक्षा अधिकारी एसडीएम रघुराजनगर शहरी और रामपुर बघेलान को कलेक्टर ने नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर ने समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा के दौरान जबाव और की गई कार्यवाही भी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश विभागों को दिये हैं। राजस्व अधिकारियों से कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अमृत सरोवर और अन्य निर्मित परि सम्पत्तियों को राजस्व रिकार्ड में दर्ज करायें।

मैहर कलेक्टर ने की राजस्व प्रकरणों की समीक्षा

विभागीय अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्ट्रेट कार्यालय मैहर के सभागार में सोमवार को संपन्न राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने राजस्व वसूली और सीमांकन की गति को बढ़ाने के निर्देश दिए है। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम अमरपाटन आरती यादव, एसडीएम रामनगर डॉ. आरती सिंह एवं सभी तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि तहसील अमदरा में सीमांकन की प्रगति शून्य है। लेकिन रामनगर में पिछले 6 माह से 1 वर्ष के बीच 11 प्रकरण लंबित है तथा अमरपाटन में 6 प्रकरण लंबित हैं। इसी प्रकार झिन्ना में बंटवारे के 2 प्रकरण दो वर्ष से लंबित हैं। कलेक्टर ने इस दौरान कहा कि पिछले 6 माह से लंबित प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करे। कलेक्टर ने तहसीलदार को नामांतरण के लिए मैहर में 1, नादान में 3 वसीयत के प्रकरणों को 15 दिवस के अंदर निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार रामनगर तहसील के नामांतरण के 20 प्रकरण में से 11 लंबित वसीयत के प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। नामांतरण के तहसील ताला में पिछले 1 साल के लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण करने के आदेश दिये।

कलेक्टर ने जिले के एसडीएम को ई-केवाईसी, पीएम किसान, समग्र लिंकिंग, सीएम किसान, सीएम हेल्पलाइन की मॉनिटरिंग और नक्शा तरमीम करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वामित्व के प्रकरणों में कोई प्रगति नहीं पाई जा रही है। वहीं निराकरण की स्थिति उचित नहीं पाए जाने पर लगातार मॉनिटरिंग की जायेगी। भू-अर्जन के पीएचई का 1 तालाब, डब्ल्यूआरडी 1 तालाब, एनएचआई 1 तालाब एवं बेला रिंग रोड के एनवीडीए बरगी नहर के प्रकरणों को रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में मैहर, अमरपाटन और रामनगर को बी ग्रेड प्राप्त करने का लक्ष्य दिया गया।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए 31 अगस्त तक चलेगा राजस्व महाअभियान

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से दिए राजस्व महाअभियान के संबंध में निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश के सभी जिलों में 31 अगस्त तक राजस्व महाअभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को राजस्व महाअभियान की तैयारियों के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि राजस्व महाअभियान में नक्शा सुधार और नक्शा तरमीम के सभी प्रकरण निराकृत करें। अभियान के दौरान सभी राजस्व प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल में ऑनलाइन दर्ज कराएं। स्वामित्व योजना के सभी पात्र हितग्राहियों को 15 अगस्त तक भू अधिकार पत्रों का वितरण कराएं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में शेष बचे सभी किसानों की ई केवाईसी तथा आधार सीडिंग कराएं। अभियान के दौरान जमीन के खसरे में आधार सीडिंग की भी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान कमिश्नर कम से कम एक तहसील का निरीक्षण करें। कलेक्टर, अपर कलेक्टर और एसडीएम भी तहसीलों का निरीक्षण करें। पटवारियों का निर्धारित मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करें। इसका उल्लंघन करने वाले पटवारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करें। राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके इनका निराकरण कराएं। खसरा सुधार के प्रकरण भी प्राथमिकता से निराकृत करें। अभियान के दौरान श्रेष्ठ कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। अभियान में किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित गौवंश को गौशालाओं में सुरक्षित कराएं। सड़कों पर पशुओं का विचरण न हो इसे सुनिश्चित करें। वर्षाकाल में कई बार संचारी रोगों का प्रकोप होता है। वर्षा जनित रोगों से बचाव के उचित प्रबंध करें। सभी कलेक्टर आगामी त्यौहारों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। धार्मिक स्थलों में उचित साफसफाई, प्रकाश और पेयजल की व्यवस्था करें। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का समारोह पूरी भव्यता से आयोजित करें। सभी कलेक्टर रेत तथा अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कड़ी कार्यवाही करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में प्रमुख सचिव राजस्व ने महाअभियान के संबंध में की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में बताया गया कि जनवरी से मार्च में चलाए गए प्रथम राजस्व महाअभियान में प्रदेश भर में 30 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में सतना के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर अनुराग वर्मा, अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े, एसडीएम एपी द्विवेदी, सुधीर बेक, आरएन खरे, जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाड़िया सहित जिले के राजस्व अधिकारी उपस्थित थे। इसी प्रकार मैहर जिले के कलेक्टर सभाकक्ष में राजस्व महाअभियान को लेकर आयोजित वीडियो कान्फ्रेसिंग कलेक्टर रानी बाटड, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह सहित राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग की अंतिम तिथि 17 जुलाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में द्वितीय चरण में प्रवेश के लिए पंजीयन कार्य 11 जुलाई से शुरू होंगे। आईटीआई में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र ॅण्कैक्ण्डच्ण्ळव्टण्प्छ वेब साईट पर जाकर रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। जिले में संचालित शासकीय आईटीआई में एनसीवीटी/एससीवीटी के पाठ्यर मों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 11 जुलाई 2024 से 17 जुलाई 2024 तक रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग कर सकेंगे। इस हेतु अभ्यर्थी ऑनलाईन के माध्यम से विभाग के पोर्टल ूण्केकण्उचण्हवअण्पद पर प्रवेश रजिस्ट्रेशन-2024 पर जाकर 11 जुलाई 2024 से 17 जुलाई 2024 तक रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। चयन सूची 24 जुलाई 2024 को जारी की जाएगी तथा चयन सूची अनुसार आवेदक 26 जुलाई 2024 से 29 जुलाई 2024 तक संबंधित संस्था में दस्तावेज सत्यापन करा कर प्रवेश ले सकते हैं। आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदक रजिस्ट्रेशन हेतु किसी भी नजदीकी ऑनलाइन सहायता केन्द्र अथवा स्वयं अपने स्तर पर कंप्यूटर या मोबाइल से फॉर्म भर सकते हैं। शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। समस्त इच्छुक आवेदक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग अवश्य करें। रजिस्ट्रेशन से संबंधित किसी भी सहायता के लिए आवेदक हेल्पडेस्क नंबर 9171257462, 8982018733, 9111749057 पर फोन के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अनुपयोगी सामग्री से निर्मित कलात्मक वस्तुओं की प्रदर्शनी में भाग लेने हेतु आवेदन 25 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर मां शारदा की पावन नगरी एवं संगीत संम्राट पद्म विभूषण बाबा अलाउद्दीन खाँ साहब की साधना स्थली मैहर में शास्त्रीय संगीत के उभरते हुये नवोदित कलाकारों कों मंच देने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी के तत्वाधान में 1 जुलाई 2024 से प्रारंभ किया गया है।

मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी के तत्वाधान में आयोजित होने वाले मासिक संगीत कार्यर म 1 अगस्त 2024 को संगीत महाविद्यालय कक्ष में पुराने अनुपयोगी सामग्री से निर्मित कलात्मक वस्तुओं की (अटाला आर्ट) प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। जिसमें जिले के नागरिकगण भाग ले सकते हैं। प्रदर्शनी हेतु केवल पुराने व अनुपयोगी सामग्री से निर्मित कलात्मक सामग्री को शामिल किया जायेगा। इस हेतु कलाकार अपने आवेदन बायोडाटा के साथ 25 जुलाई तक संगीत महाविद्यालय मैहर में प्रभारी अनिल कुमार जायसवाल, सहायक व्याख्याता (मोबा. 7987274350) के पास जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों में से जिला स्तरीय समिति के द्वारा चयन किया जाकर आवेदकों को प्रदर्शनी में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जायेगा।

स्वयं सेवी संस्थाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 एवं 19 को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। आपदा प्रबंधन के अंतर्गत विद्यमान आपदा जोखिम क्षेत्र और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विभिन्न हितधारकों की भूमिका को देखते हुए दो नवीन परियोजनाओं की शुरूआत की गई है। दोनों परियोजनाओं के प्रभावी रि यान्वयन के लिए 18 एवं 19 जुलाई को जिला पंचायत सतना के सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने उप संचालक सामाजिक न्याय, जिला कार्यर म अधिकारी महिला बाल विकास, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद को जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उनके विभाग से मान्यता प्राप्त 25-25 स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को उपस्थित कराने के निर्देश दिये हैं। कार्यशाला प्रातः 11 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में प्रारंभ होगी। जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड को भी प्रशिक्षण में उपस्थित रहने को कहा गया है।

डॉ. सुदाम खाड़े ने आयुक्त जनसंपर्क का पदभार ग्रहण किया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। डॉ. सुदाम खाड़े ने आज जनसंपर्क संचालनालय में आयुक्त जनसंपर्क का पदभार ग्रहण कर लिया है। निवर्तमान जनसंपर्क आयुक्त संदीप यादव ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। जनसंपर्क संचालनालय में डॉ. खाड़े के पदभार ग्रहण करने पर संचालक रौशन कुमार सिंह, अपर संचालक जीएस वाधवा, संजय कुमार जैन, मनोज खरे सहित सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

राजस्व की महत्वपूर्ण और मूल कड़ी है पटवारी

कलेक्टर ने नये पटवारियों को दिये टिप्स और प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि पटवारी राजस्व विभाग की अत्यंत महत्वपूर्ण और मूल कड़ी होता है। सभी प्रकार के राजस्व प्रकरणों एवं कार्यों में पटवारी का प्रतिवेदन ही आधार होता है। सतना और मैहर जिले में नये पदस्थ 65 पटवारियों को कलेक्टर ने निष्ठा और ईमानदारी के साथ कर्तव्य निभाने के टिप्स के साथ ही राजस्व परिवार में शामिल होने की शुभकामनायें दी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित नवीन पटवारियों के परिचय कार्यक्रम में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े, अधीक्षक भू-अभिलेख एमएल तिवारी, पटवारी बृजेश निगम ने कुशल कार्य प्रणाली के संबंध में महत्वपूर्ण टिप्स दिये।

कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की राजस्व विभाग के पटवारी और ग्रामीण विकास के पंचायत सचिव से बहुत अधिक अपेक्षायें रहती है। पटवारी ट्रेनिंग के बाद जब ग्राउण्ड पर काम करते है तों राजस्व के काम को बहुत अच्छे से सीखते हैं। उन्होंने कहा कि नव पदस्थ पटवारी सीखने की प्रि या से बचे नहीं, धैर्य और संयम रखे, जो सही और उचित हो वहीं करें। उन्होंने कहा कि कार्य में में किसी भी प्रकार की दुविधा होने पर सीनियर पटवारी या राजस्व कार्यों के जानकार किसी अधिकारी-कर्मचारी से सलाह लेने में कतई गुरेज नहीं करे।

राजस्व के पार्ट में ईमानदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जो पटवारी ग्रामीण परिदृश्य के है वह जानते है कि गांव में पटवारी की सबसे ज्यादा इज्जत होती है। व्यक्ति को अपने जीवन में जनता की भलाई का अवसर सब को नहीं मिलते हैं। आप अपना काम निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे तो अच्छे कार्यों से लोगों की अनजाने में सच्ची सेवा कर सकते हैं। लोगों से जितना अधिक सम्पर्क बनायेंगे, छोटी-छोटी स्थानीय समस्याओं का उतना ही त्वरित निदान होगा। राज्य शासन ने हर कार्य को करने की समय सीमा तय कर रखी है। हमारी कोशिश हो कि राजस्व कार्य समय पर निराकृत हो। ग्रामीण क्षेत्र और हल्के में पहुंचने पर पटवारी को 15-20 सहयोगी शासकीय विभागों के कर्मचारी मिलेंगे। इनके बेहतर सामंजस्य और सहयोग से लोगों की स्थानीय समस्याओं का बेहतर निदान मिल सकेगा। पटवारी जितना अच्छा काम करेगा उतना ही लोगों से सम्मान भी प्राप्त कर सकेगा।

अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने कहा कि पटवारी अपने कार्य में जितना अधिक कुशल और दक्ष होंगे, राजस्व के कार्यों में उतनी ही सुगमता होती है। राजस्व विभाग के कई महत्वपूर्ण कार्यों में नई टेक्नोलॉजी शामिल की गई है। नवीन तकनीक का उपयोग कर अपने कार्यों को आसान बनायें। अपर कलेक्टर ने नव पदस्थ पटवारियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि आपकी डयूटी और कार्य प्रणाली से आपके हल्के की पहचान बनेगी। सीनियर पटवारी बृजेश निगम ने अपने वरिष्ठ अनुभव के आधार पर नये पदस्थ पटवारियों को टिप्स देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र कल्याण के लिये प्रयास तेज

पीएम जन-मन के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल अंचलों में जारी हैं कई विकासमूलक कार्य

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गत 15 नवम्बर 2023 को प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) का शुभारम्भ किया गया। पीएम जन-मन के अन्तर्गत मध्यप्रदेश के चिन्हित 24 जिलों में निवासरत बैगा, भारिया एवं सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग की 11 लाख 85 हजार 374 आबादी को विभिन्न प्रकार की सहायता व रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण देकर इन्हें विकास की नई राह से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार के 9 मंत्रालयों की 11 चिन्हित अधोसंरचना विकासमूलक गतिविधियों एवं 7 हितग्राहीमूलक योजनाओं के घर पहुंच लाभ प्रदाय पर केन्द्रित इस महा अभियान के तहत मध्यप्रदेश में करीब 7 हजार 300 करोड़ रूपये व्यय कर इन 3 विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र कल्याण के लिये ठोस प्रयास तेजी से किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के 11 जिलों डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, उमरिया, अनूपपुर, शहडोल, जबलपुर, कटनी, मैहर, सीधी एवं सिंगरौली में 2 हजार 569 ग्रामों एवं बसाहटों में करीब 4 लाख 53 हजार 320 बैगा, 10 जिलों श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, गुना, मुरैना, दतिया, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन एवं भिण्ड में 2 हजार 617 ग्रामों एवं बसाहटों में 6 लाख 86 हजार 986 सहरिया तथा 3 जिलों छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर एवं सिवनी में 315 ग्रामों एवं बसाहटों में 45 हजार 68 भारिया वर्ग के जनजातीय बंधु निवास करते हैं। पीएम जन-मन के अधीन वर्तमान माली साल में अब तक हितग्राहीमूलक योजना में 11 लाख 74 हजार 780 आधार कार्ड, 5 लाख 46 हजार 620 जनधन बैंक खाते, 6 लाख 33 हजार 15 आयुष्मान कार्ड, 10 लाख 37 हजार 538 जाति प्रमाण-पत्र, 65 हजार 25 किसान ₹डिट कार्ड, 86 हजार 667 पीएम किसान सम्मान निधि प्रकरण एवं 2 लाख 97 हजार 454 राशन कार्ड बनाये गये हैं।

अधोसंरचनात्मक विकासमूलक योजना में अस्थायी रूप से 75 मोबाइल मेडिकल यूनिटस शुरू कर दी गई हैं। सितम्बर 2024 तक 66 मोबाइल मेडिकल यूनिटस् स्थायी रूप से प्रारंभ होकर कार्य करने लगेंगी। आवास योजना में 99 हजार 780 हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किये गये हैं। करीब 79 हजार 706 हितग्राहियों को उनकी पात्रतानुसार राशि देकर 12 हजार 954 आवास तैयार कर हितग्राहियों को दे दिये गये हैं। पीएम जन-मन में पहले चरण में 146 बसाहटों में 294 कि.मी. लंबाई की 125 सड़कें मंजूर की गई हैं। दूसरे चरण में 51 बसाहटों में 180.29 कि.मी. लंबाई की 40 सड़कों की स्वीकृति भारत सरकार से मिल चुकी है। हर घर नल से जल योजना में 3 लाख 15 हजार 83 परिवारों में से 1 लाख 46 हजार 666 परिवारों हो नल कनेक्शन दिये गये हैं। लक्षित अंचलों के समग्र विकास की मंशा से 125 बहुउद्देशीय केन्द्रों के निर्माण के लिये भारत सरकार द्वारा 7500 लाख रूपये मंजूर किये गये, जिसमें से 2598.75 लाख रूपये जारी भी कर दिये गये हैं। पीएम जन-मन के अधीन ऊर्जा विभाग की हर घर बिजली प्रदाय योजना में करीब 149.88 लाख रूपये की लागत से दो चरणों में 27 हजार 356 लक्षित परिवारों को घरेलू बिजली कनेक्शन दिये जायेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683 प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।